दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

ब्रदर्स एंड सिस्टर्स लेकर आ रहे हैं रिश्तों ...8

सिद्धार्थनगर
रविवार , 26 अप्रैल 2026
वर्ष: 13 अंक : 127 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अखिलेश का बीजेपी पर बड़ा हमला

बोले- इनसे बड़ा कोई गिद्ध दल नहीं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक नाबालिग लड़की की मौत के बाद महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक गांव से 14 अप्रैल को लापता हुई नाबालिग लड़की का शव 15 अप्रैल को गंगा नदी पर बने एक पुल के पास मिला। लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने भाजपा पर पीड़िता के पिता पर दबाव डालने का भी आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस अधिकारियों और भाजपा नेताओं ने पिता पर दबाव बनाने की कोशिश की।

मैंने वीडियो भी साझा किया। वे पिता को समझाने की कोशिश कर रहे थे। जहां भी दुख या पीड़ा हुई है, समाजवादी पार्टी हमेशा साथ खड़ी रही है। उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामले सबसे ज्यादा हैं। भाजपा से बड़ा गिद्ध दल कोई नहीं है। इससे पहले दिन में, गाजीपुर पुलिस ने कहा कि नाबालिग लड़की ने आत्महत्या की है और पिता की शिकायत में बलात्कार का जिक्र नहीं है। पुलिस ने एक्स पर पोस्ट किया कि 15 अप्रैल, 2026 की सुबह 5रू44 बजे, पीड़िता के पिता ने डायल 112 पर कॉल करके सूचना दी कि लड़की ने पुल से कूदकर आत्महत्या कर ली है। इस मामले में पीड़िता के पिता की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर में बलात्कार का कोई जिक्र नहीं है। गाजीपुर पुलिस ने बयान में कहा कि पीड़िता के पोस्टमार्टम में भी बलात्कार से संबंधित कोई तथ्य सामने नहीं आया है।

बीजेपी का ममता बनर्जी पर बड़ा हमला

बंगाल की सीएम बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता CR केशवन ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ममता बनर्जी राज्य में श्नारी शक्तिश के लिए एक पूरी तरह से विनाशकारी आपदा साबित हुई हैं। केशवन ने ममता बनर्जी के 15 साल के कुशासन को बंगाल की जनता के लिए षसबसे क्रूरष शासनों में से एक बताया। उन्होंने आगे कहा कि टीएमसी प्रमुख के पास षराज्य की मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। एएनआई से बात करते हुए बीजेपी

नेता ने कहा कि ममता बनर्जी का 15 साल का कुशासन सबसे क्रूर शासनों में से एक रहा है, और यही कारण है कि पश्चिम बंगाल की जनता ने आने वाले चुनावों में ममता बनर्जी के अराजक कुशासन को हराने का फैसला कर लिया है। पूरे देश को हिला देने वाले जघन्य आरजी कर रेप केस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि समय पर इंसाफ मिले। ठश्रच नेता ने जोर देकर कहा कि टीएमसी महिलाओं की गरिमा की रक्षा करने में पूरी तरह नाकाम रही है। जघन्य RG Kar रेप की घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था, जो टीएमसी के कुशासन की वजह से हुई थी। संदेश बहुत साफ है कि पीएम मोदी और बीजेपी यह सुनिश्चित करेंगे कि इंसाफ मिले.. . ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में श्नारी शक्तिश के लिए पूरी तरह से एक बड़ी मुसीबत साबित हुई हैं। TMC महिलाओं की गरिमा की रक्षा करने में पूरी तरह नाकाम रही है। ममता बनर्जी को बंगाल की सीएम के तौर पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इस बीच, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण से पहले डंदपाजंसं विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार करते हुए, बीजेपी के खरगपुर से उम्मीदवार दिलीप घोष ने कहा, षैं यहाँ चुनाव प्रचार के लिए नहीं, बल्कि पुराने कार्यकर्ताओं और **Tapas da** से मिलने आया हूँ।

राहुल गांधी ने आरएसएस को क्यों कहा राष्ट्रीय सरेंडर संघ? राम माधव के बयान से मचा सियासी बवाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता राम माधव द्वारा अमेरिका में एक पैनल चर्चा के दौरान की गई टिप्पणियों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें संगठन का वास्तविक स्वरूप उजागर करने वाला बताया। गांधी ने आरएसएस को राष्ट्रीय सरेंडर संघ कहा और संगठन को फर्जी करार दिया। राहुल गांधी ने एक पोस्ट मेंलिखा कि राष्ट्रीय आत्मसमर्पण संघ। नागपुर में फर्जी राष्ट्रवाद। अमेरिका में सरासर चाटुकारिता। राम माधव ने संघ का असली चेहरा उजागर कर दिया है।" गांधी की ये टिप्पणी वाशिंगटन डीसी में हडसन इंस्टीट्यूट के न्यू इंडिया सम्मेलन में राजदूत कर्ट कैंपबेल और एलिजाबेथ थ्रेलकेल्ड के साथ राम माधव की पैनल चर्चा में भाग लेने के बाद आई है।

यूएस-ईरान वार्ता पर संकट के बादल

तेराहन ने अमेरिकी दल से मिलने का प्रस्ताव ठुकराया

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को फिर से विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि बातचीत के दूसरे दौर की

संभावनाएँ अब काफी कम हो गई हैं। उन्होंने कहा, ष्इस्लामाबाद में आज अमेरिका–ईरान बातचीत के दूसरे दौर के फिर से शुरू होने की संभावनाएँ तेजी से खत्म होती जा रही हैं क्योंकि तेहरान शुरू करने की कोशिशें नाकाम होती दिख रही हैंय नई रिपोर्टों से पता चलता है कि तेहरान अभी भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मिलने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान स्थित मीडिया संस्थान ।त्ल छम्ूे के चेयरमैन कामरान खान के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के उद्देश्य से होने वाली इस निर्धारित बैठक को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, खान ने बताया कि अभी भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मिलने को तैयार नहीं हैय इस प्रतिनिधिमंडल के आज देर रात वॉशिंगटन से यहाँ पहुँचने की उम्मीद थी। खान ने आगे बताया कि ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण श्स्ट्रेट ऑफ होर्मुजश से जुड़ी एक कड़ी शर्त रखी है, जिसमें उसने जोर देकर कहा है कि वाशिंगटन को सबसे पहले ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नौसैनिक नाकेबंदी हटानी होगी।

अमेरिका का उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल हरी झंडी का इंतजार कर रहा है

अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की अगुवाई में, जिसमें वरिष्ठ सलाहकार और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी शामिल हैं, अमेरिकी टीम बातचीत के लिए पाकिस्तान जाने वाली है। यह घटनाक्रम ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के शुक्रवार को इस्लामाबाद पहुँचने के बाद सामने आया है, जिससे शुरू में तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत को फिर से आगे बढ़ाने की उम्मीदें जगी थीं।

इस्लामाबाद में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

यहाँ यह ध्यान देने वाली बात है कि पाकिस्तान की राजधानी में इस समय ऐसी सुरक्षा व्यवस्था लागू है जिसे श्दम घोंटने वालीश सुरक्षा व्यवस्था बताया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, मुख्य सड़कों को सील कर दिया गया है और अति–सुरक्षित श्रेड जोनश को सुरक्षा के कड़े घेरे से घेर दिया गया है। बातचीत का पिछला दौर, जो 21 घंटे तक चला था, बिना किसी ठोस प्रगति के समाप्त हो गया था। उस बैठक की अगुवाई अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान के संसदीय अध्यक्ष एम.बी. गालिबफ ने की थी।

आप में भगदड़ पर कांग्रेस का तंज

जयराम रमेश बोले–मोदी की Washing Machine लौट आई

आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सांसदों के सत्तारूढ़ खेमे में जाने के बाद कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। ग पर बोलते हुए रमेश ने कहा कि भाजपा की वाशिंग मशीन मोदी के वाशिंग पाउडर के साथ वापस आ गई है। जिन्होंने खुद को सदाचार, सत्यनिष्ठा और विचारधारा का प्रतीक बताया था, वे बुरी तरह बेनकाब हो गए हैं। उन्होंने राघव चड्ढा और भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले छह अन्य सांसदों का जिक्र करते हुए कहा कि वे बुरी तरह बेनकाब हो गए हैं। कांग्रेस के पूर्व सांसद अधीर रंजन चौधरी ने भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा राघव चड्ढा को लुभाने में कामयाब रही। भाजपा शिकार की इस राजनीति को जानती है, यह बंगाल में भी होता है३ जब ममता बनर्जी को लगता है कि चुनाव परिणाम खतरे में हैं, तो वह भी मैदान में उतरती हैं

और अपनी एजेंसी, आई–पीएसी, को शिकार के लिए लगाती हैं। आई–पीएसी हमारे उन उम्मीदवारों से संपर्क करती है जिनके जीतने की उम्मीद होती है३ भाजपा भी शिकार की राजनीति करती है और ममता बनर्जी भी३ यह आज की राजनीति का नया सामान्य चलन है। ये घटनाक्रम राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल के शुक्रवार को आम आदमी पार्टी छोड़कर वरिष्ठ पार्टी नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल होने के बाद सामने आए हैं। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चड्ढा ने खुलासा किया कि संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रमजीत सिंह साहनी और स्वाति मालीवाल ने भी भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने पुष्टि की कि उन्होंने नियमों के अनुसार पार्टी छोड़ने के बारे में सदन के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है। इस कदम के साथ, आम आदमी पार्टी के दो–तिहाई राज्यसभा सदस्य प्रभावी रूप से भाजपा में विलय हो गए हैं। इसके जवाब में, आम आदमी पार्टी ने अपनी अगली रणनीति पर विचार–विमर्श शुरू कर दिया है। पार्टी नेता विभाजन के प्रभावों पर चर्चा कर रहे हैं। शुक्रवार देर रात, गुजरात नगर निगम चुनाव में प्रचार से लौट रहे वरिष्ठ पार्टी नेता मनीष सिसोदिया ने पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनसे आधे घंटे से अधिक समय तक मुलाकात की और स्थिति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की।

अब यूएस में भारतीयों की होगी नो एंट्री? एच1 बी वीजा पर आए नए बिल ने बढ़ाई चिंता

अमेरिका में एक ऐसा बिल पेश हुआ है जो लाखों विदेशी प्रोफेशनल्स खासतौर पर भारतीयों के सपनों पर सीधा वार कर सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर में इमीग्रेशन को लेकर सख्ती के बीच अब एच वन बी वीजा सिस्टम को पूरी तरह बदलने की तैयारी हो चुकी है। रिपब्लिकन नेता एलिक क्रेन ने एंड एच1 वीजा अब्यूज एक्ट 2026 पेश कर ऐसा प्रस्ताव रखा है जिससे अगर मंजूरी मिलती है तो अमेरिका में नौकरी करने का रास्ता पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल हो जाएगा। जो एच वन वीजा सिस्टम को जड़ से बदल सकते हैं। सबसे बड़ा झटका हर साल जारी होने वाले वीजा की संख्या 65,000 से घटाकर सिर्फ 25,000 करने का प्रस्ताव है। इतना ही नहीं अब तक चल रही लॉटरी सिस्टम को भी खत्म कर हाई सैलरी के आधार पर चयन की बात कही गई है। कंपनियों के लिए भी नियम बेहद सख्त होंगे। उन्हें साबित

करना होगा कि उन्हें कोई अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिला और उन्होंने हाल ही में किसी को नौकरी से नहीं निकाला। एच1वी कर्मचारियों के एक से ज्यादा नौकरी करने की अनुमति नहीं होगी और थर्ड पार्टी एजेंसियों के जरिए हायरिंग पर भी रोक लगाने का प्रस्ताव है। सबसे चौंकाने वाला प्रस्ताव एच1 बी वीजा धारकों को अपने परिवार को अमेरिका लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही इस वीजा को ग्रीन कार्ड में बदलने का रास्ता भी बंद करने की बात कही गई है। यानी यह वीजा पूरी तरह अस्थाई बन जाएगा। इमीग्रेशन एक्सपर्ट रोजमरी जेनेक्स का कहना है कि अगर एच वन वीजा कर्मचारियों को 3 साल बाद वापस भेजा जाएगा तो कंपनियों की लागत बढ़ेगी और वह मजबूर होकर अमेरिकी नागरिकों को ही नौकरी देंगे। इस विल को ब्रैंडन ग्रिल समेत कई रिपब्लिकन नेताओं का समर्थन मिला है। जिन्होंने साफ कहा है कि अमेरिकी नौकरियों पर पहला हक अमेरिकियों का होना चाहिए ना कि विदेशी कर्मचारियों का। अगर यह विल पास होता है तो यह सिर्फ एक पॉलिसी बदलाव नहीं बल्कि अमेरिका में काम करने वाले सपने देखने वाले लाखों युवाओं के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। एच1 बी वीजा प्रोग्राम का इस्तेमाल अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियाँ विदेशी प्रोफेशनल्स को नौकरी पर रखने के लिए बड़े पैमाने पर करती हैंय इसमें भारतीय कर्मचारीकृखास तौर पर टेक्नोलॉजी और मेडिकल के क्षेत्र में सबसे बड़े लाभार्थी समूहों में से एक हैं। प्रस्तावित सुधारों में मौजूदा लॉटरी सिस्टम की जगह वेतन–आधारित चयन प्रक्रिया लाना शामिल है। इसके तहत, एम्प्लॉयर्स को यह प्रमाणित करना होगा कि कोई भी योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं है और हाल ही में कोई छँटनी नहीं हुई है। साथ ही, एच1 बी कर्मचारियों के एक से ज्यादा नौकरियाँ करने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा और थर्ड–पार्टी स्टाफिंग फर्मों द्वारा उन्हें नौकरी पर रखने पर रोक लगाई जाएगी। अतिरिक्त प्रावधानों के तहत, संघीय एजेंसियों को गैर–प्रवासी कर्मचारियों को प्रायोजित करने या नौकरी पर रखने से रोका जाएगा, ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम को समाप्त कर दिया जाएगा, और एच1 बी वीजा धारकों को स्थायी निवास (परमानेंट रेजिडेंसी) में बदलने से रोका जाएगाकृजिससे इन वीजाओं का अस्थायी स्वरूप और भी मजबूत होगा। इस बिल में यह भी अनिवार्य किया गया है कि गैर–प्रवासी कर्मचारी किसी दूसरी वीजा श्रेणी में जाने से पहले संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़ दें। क्रेन ने कहा कि इस उपाय से अमेरिकियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, वीजा नियमों को और मजबूत किया जाएगा, और घरेलू कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मैं हार गया, पापा जीत गए, कानपुर में 24 साल के लड़के ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में बयां किया बचपन के टश्वक्सिक दुर्व्यवहार का दर्द

उत्तर प्रदेश के कानपुर कोर्ट परिसर में इस सप्ताह उस समय सन्नाटा पसर गया, जब एक 24 वर्षीय उभरते हुए वकील, प्रियांशु श्रीवास्तव ने अदालत की इमारत की पाँचवीं मंजिल से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। आनन–फानन में उन्हें उर्सुला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत से पहले प्रियांशु ने जो सुसाइड नोट छोड़ा, वह किसी भी पत्थर दिल इंसान को झकझोर देने के लिए काफी है। छलांग लगाने से ठीक पहले प्रियांशु ने अपने **WhatsApp** स्टेटस पर दो पन्नों का एक हाथ से लिखा नोट साझा किया। इस नोट में उन्होंने किसी बाहरी दुश्मन का नहीं, बल्कि अपने ही घर में मिले उस मानसिक और शारीरिक दुर्व्यवहार का जिक्र किया, जिसने उन्हें घुट–घुट कर जीने पर मजबूर कर दिया था।

पीएम मोदी ने नीति आयोग की नई टीम को सराहा

बोलेः यह 'Ease of Living' बढ़ाने वाला स्तंभ है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी और अन्य पूर्णकालिक सदस्यों को सरकार के शीर्ष नीति थिंक टैंक निकाय में उनकी नियुक्ति के लिए शुभकामनाएं दीं। मोदी ने दिन में नई दिल्ली में लाहिड़ी से मुलाकात की, जो इस भूमिका में उनकी पहली आधिकारिक मुलाकात थी। सोशल मीडिया पर, पीएम ने नवनियुक्त सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं भेजीं। मोदी ने एक्स पर लिखा, ष्नीति आयोग भारत की नीति–निर्माण संरचना में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देता है, सुधारों को आगे बढ़ाता है और जीवन की सुगमता को बढ़ाता है।

पदभार ग्रहण करने के बाद लाहिड़ी ने मोदी से मुलाकात की

इस बीच, लाहिड़ी, जो बंगाल से बीजेपी विधायक भी हैं। दिन में दिल्ली में च्ड मोदी से मुलाकात की। बैठक का विवरण ज्ञात नहीं है, लेकिन इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि थिंक टैंक की भारत के आर्थिक नीति ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लाहिड़ी के अलावा, बंगाल का एक और प्रमुख नाम, वैज्ञानिक गोबर्धन दास, थिंक टैंक के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए हैं। इस बीच, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ सलाहकार दिलीप मंडल ने भी लाहिड़ी को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत के शीर्ष अर्थशास्त्री, पक्के बंगाली डॉ. अशोक लाहिड़ी, जो राम पूजा के धार्मिक आयोजन के लिए खिचड़ी प्रसाद तैयार करते हैं, अब नीति आयोग (पूर्व में योजना आयोग) में एक प्रमुख हस्ती होंगे। वह मार्गदर्शन करेंगे कि देश की नीतियां कैसे आकार लेती हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा यह एक अच्छा चयन है,ष उन्होंने आगे कहा। अशोक लाहिड़ी के बारे में सब कुछ जानें कोलकाता की प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी के इकोनॉमिक्स डिपार्टमेंट के पूर्व छात्र, अशोक लाहिड़ी ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, एशियन डेवलपमेंट बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी में रिसर्च, टीचिंग या लीडरशिप के पदों पर काम किया है।

युवती को धमकी देकर जबरन विवाह का दबाव, आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद के थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में एक युवती को धमकी देने और जबरन विवाह का दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने रामपुर (कोलवा), थाने में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि आरोपी निवासी थाना पचपेड़वा, बीते कई महीनों से उसे फोन और मैसेज के माध्यम से लगातार परेशान कर रहा था। पीड़िता के अनुसार, आरोपी उस पर अपनी बहन की शादी उससे कराने के लिए दबाव बना रहा था। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने, उसके भाई की हत्या करने और पूरे परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। इतना ही नहीं, आरोपी द्वारा दुष्कर्म करने और तेजाब डालकर चेहरा खराब करने जैसी गंभीर धमकियां भी दी गईं। पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं, इसके बावजूद वह जबरन विवाह के लिए दबाव बना रहा था, जिससे वह और उसका परिवार भयभीत और असुरक्षित महसूस कर रहा है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच जारी है और जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी की कार्रवाई की जा सकती है।

अयोध्या में सम्मानित हुये बस्ती के कैलाशी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। अखिल ब्रह्माण्ड नायक श्री राम जी के राज्याभिषेक महोत्सव अवसर पर तुलसी स्मारक भवन में श्री श्री 108 गोपाल दास कैलाशी श्री राम कुटीरम बाग विजेसर, कन्नी गंज श्री धाम अयोध्या के नेतृत्व में कैलाश मानसरोवर यात्रियों का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। बस्ती से कैलाशी सरदार कुलवेन्द्र सिंह, अभिनव पान्डेय, ई. राजेश श्रीवास्तव, अनुपमा श्रीवास्तव आदि सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कैलाश मानसरोवर यात्रा सेवा समिति लखनऊ के अध्यक्ष कैलाशी के.क. सिंह अध्यक्ष कैलाशी आशुतोष अग्रवाल एवं अलग अलग जनपदों से कैलाश की यात्रा करने वाले शामिल रहे। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा भोलेनाथ बाबा के भजनों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

पुरस्कृत किये गये लिटिल फ्लावर्स हाई स्कूल के मेधावी: सम्मानित हुये अभिभावक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शनिवार को लिटिल फ्लावर्स स्कूल बस्ती में सी सी. बी.एस.ई. बोर्ड की कक्षा दसवीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 57 विद्यार्थियो के साथ अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, निर्देशिका अपर्णा सिंह, प्रधानाचार्या वंदना सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा तथा विद्यालय की संस्थापिका स्वर्गीय मधुरानी सिंह के चित्र पर माल्यार्पण ,पुष्पार्चन एवं पूजन अर्चन करके किया गया। विद्यार्थियों को प्रशस्ति–चिह्न देते हुए अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया, जिसे पाकर विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों के भी चेहरे खिल गए। लिटिल फ्लावर्स स्कूल हर्षिता मौर्या 97. 20 प्रतिशत, साक्षी अग्रहरि 96. 60, आर्यवीर सिंह 96, मो० साहिल 95, शौर्य श्रीवास्तव 95. 80, मार्वन शंकर 95.60, विभव शर्मा 95.80, ऋषिक श्रीवास्तव 94.80 फातिमा खातून 94.80, शची मिश्रा 94.80, गार्गी सिंह 94.60, शुभम चौधरी 9,4.60, सुमित जायसवाल 94.40, अंशिका गुप्ता 94.20, मो० साहिल 94, अर्पित पाल 94, सृष्टि दूबे 94, हर्षिता 93.80, शताक्षी कसौधन 93.60, सचिन कुमार 93.20, नैन्सी चौधरी 92.80, रुद्र त्रिपाठी 92.80, अंशिका सिंह 92.80, ओजस मिश्रा 92.60, शिशिर त्रिपाठी 92.60, गणेश श्रीवास्तव 92. 60, मंतशा खातून 92.60, अंश सिंह 92.60, यशी– 92.60, सादिका इरसाद 92.40, रिषभ चौधरी 92.40, सिद्धिमा पाण्डेय 92.20, अंशिका खरे 92.20, मो० अल्तमस 92, प्रिंसी 91. 80, स्निग्धा शाही 91.80,, जाहघ्नवी 91.80, जोया यासमीन 91.80, पलक पाण्डेय –91.60, अंश गोस्वामी 91.60, शिवांश सिंह 91.60, रिषभ यादव 91. 40, रंजीता रंजन 91.20, अनुभव चौधरी 91.20, महादेव यादव 91.20, नैन्सी शर्मा– 91, आलोक रंजन सिंह 90, समीक्षा–90.60, आराध्या यादव 90.70, दिव्यांश वर्मा 90.60, हर्षिता यादव 90. 60, अर्पिता 90.60, प्रियांशु राव 90.60, आराध्या सिंह 90.40, उत्कर्ष पाण्डेय 90.40, दिपांश यादव 90, आराध्या शुक्ला 90: अंक प्राप्त किया। इन्हें विद्यालय परिवार द्वारा पुरस्कृत कर हौसला बढाया गया। विद्यालय

के प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले समस्त मेधावियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये कहा कि सफलता के लिए निस्तर प्रयास, दृढ निश्चय और परिश्रम अति आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। बच्चों की इस सफलता का श्रेया उन्होंने बच्चों के परिश्रम, अभिभावकों के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यालय के उत्कृष्ट प्रबंधन को दिया। कार्यक्रम में विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती अपर्णा सिंह ने विद्यार्थियों को भविष्य की योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण है। इस अवसर पर अभिभावको ने संवाद स्थापित करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को सराहा। विद्यार्थी अर्पित पाल के पिता रंजय पाल ने बच्चों की इस सफलता का श्रेय विद्यालय परिवार को देते हुए कहा कि इस सफलता में बच्चों के परिश्रम के साथ–साथ, शिक्षकों का मार्गदर्शन व समय–समय पर प्रबंधन तंत्र द्वारा उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था का, वहीं रूद्र त्रिपाठी के अभिभावक प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि बस्ती जनपद में लिटिल फ्लावर्स स्कूल सफलता की नई ऊंचाईयों को छू रहा है। हर्षिता मौर्या के अभिभावक रामप्रीत मौर्या ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लिटिल फ्लावर्स स्कूल बस्ती शिक्षा, संस्कार तथा अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षा का एकध्मा उत्कृष्ट संस्थान है, जहाँ बच्चों में छिपी हुई प्रतिभा को निखारने का काम किया जाता है। साक्षी अग्रहरी के अभिभावक कृष्ण कुमार अग्रहरी ने विद्यालय के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त करते हुए कहा की लिटिल फ्लावर्स स्कूल जैसा उत्कृष्ट संस्थान होना केवल हमारे लिए नहीं पूरे बस्ती जनपद के लिए गर्व की बात है, यहाँ बच्चों के व्यक्तित्व विकास के साथ उनकी आन्तरिक प्रतिभा को भी निखारा जाता है, जिससे वे भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सके। प्रतिभा सम्मान समारोह का समापन विद्यालय की प्रधानाचार्या वंदना सिंह जी के आभार ज्ञापन से हुआ। इस अवसर पर विवेक सिंह, के.एन. मिश्रा, धनंजय शुक्ला, प्रमोद त्रिपाठी, इंद्रजीत सर, अनूप बरनवाल, श्रीकांत , रमाकांत सर, शशिधर चतुर्वेदी, प्रत्यूष यादव, आशुतोष पाल , रितिका श्रीवास्तव, साक्षी गुप्ता, अलका श्रीवास्तव, स्नेहलता पाठक, पंकज श्रीवास्तव, साक्षी पाण्डेय, प्रीति अस्थाना, मधु सिंह, राजमणि वर्मा, तन्मय पांडे , वैभव पांडेय ,सुभाष मणि आनंद आर्या, अर्पिता सिंह, निष्ठा पांडे आदि समस्त शिक्षक–शिक्षिका मौजूद रहे।

गंदे पानी में कैद जिंदगी– पडरौना शहर के मुन्ना कॉलोनी में जलजमाव की त्रासदी

बुनियादी सुविधाओं से वंचित कॉलोनीवासी बदबू, सड़न और जलभराव से त्रस्त।

कुशीनगर। जनपद के नगर पालिका परिषद पडरौना के मुन्ना कॉलोनी, तिलक नगर के करीब 35–40 परिवार आज भी ऐसे हालात में जीने को मजबूर हैं, जिसे सुनकर किसी भी संवेदन शील व्यक्ति का दिल दहल जाए। साफ–सफाई और जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित यह कॉलोनी इन दिनों बदबू, सड़न और जलभराव की त्रासदी झेल रहे है। स्थानीय निवासी एवं अधिवक्ता प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा नगर पालिका को दिए गए पत्र में कहा गया है कि कॉलोनी में नाली व्यवस्था पूरी तरह ठप है। नतीजतन गंदा पानी खाली जमीन में जमा होकर करीब 3 फीट तक भर गया है। हालात यह हैं कि इस सड़े हुए पानी से उठ रही दुर्गन्ध ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। वहीं मच्छरों और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि जलभराव के चलते करीब 10 मकान गिरने के कगार पर पहुंच चुके हैं। दीवारों में दरारें पड़ने लगी हैं और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बावजूद इसके नगर पालिका प्रशासन अब तक पूरी तरह बेखबर है। गौरतलब है कि कॉलोनीवासियों ने इस गंभीर समस्या को लेकर पहले भी 1 दिसंबर 2025 को अधिशासी अधिकारी को प्रार्थना पत्र दिए थे। इसके बावजूद अब तक न तो नाली बनी और न ही जल निकासी की कोई व्यवस्था की गई। कॉलोनीवासियों का कहना है कि अगर जल्द ही नाली और सड़क निर्माण नहीं कराया गया तो यह समस्या किसी बड़ी जनहानि का कारण बन सकती है।

जनपद में चकमार्गों को खाली कराकर ग्रामीणों एवं आमजनों के आवागमन को किया गया सुव्यवस्थित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में विशेष अभियान चक मार्ग पर अतिक्रमण हटाने का ।अब 01 अप्रैल, 2026 से डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन के निर्देशानुसार चकमार्ग/ सार्वजनिक चकरोडों को अतिक्रमण मुक्त कराने का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है ।इस अभियान के अंतर्गत राजस्व,पुलिस तथा विकास विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरंतर कार्यवाही करते हुए चकमार्गों को पुनः आमजन के आवागमन के लिए सुव्यवस्थित किया जा रहा है ।इस अभियान का परिणाम अत्यंत संतोषजन रहा हैं। वहीं आपको बता दें कि प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील सदर गोण्डा में अब तक 46 चकमार्ग,तहसील तरबगंज में 73 चकमार्ग, तहसील करनैलगंज में 95 चकमार्ग तथा तहसील मनकापुर में 60 चकमार्ग/सार्वजनिक चकरोड, इस प्रकार कुल मिलाकर जनपद में अब तक 274 से अधिक चकमार्ग/सार्वजनिक चकरोडों को सफलतापूर्वक अतिक्रमण मुक्त कराया जा चुका है ।इस प्रकार कुल मिलाकर बड़ी संख्या में

चकमार्गों को खाली कराकर ग्रामीणों एवं आमजन के आवागमन को सुव्यवस्थित बनाया गया है ।बता दें कि डीएम गोण्डा श्रीमती प्रियंका निरंजन ने इस अभियान को जनहित में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में सार्वजनिक मार्गों पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान में और तेजी लाने तथा अगल बगल के खातेदारों की उपस्थिति में पारदर्शिता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं ।यह भी कहा गया है कि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। डीएम ने जनपद के सभी ग्राम वासियों से अपील करते हुए कहा है कि यदि किसी व्यक्ति को चकमार्ग या सार्वजनिक चकरोड से संबंधित कोई शिकायत,आपत्ति अथवा सुझाव हो तो वह इस अभियान के दौरान अपनी बात प्रशासन तक अवश्य पहुंचाएं ।प्रशासन द्वारा प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा,जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके ।यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और जनपद के सभी चकमार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लक्ष्य को पूर्ण किया जाएगा ।प्रशासन का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुचारू हो, किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने में किसी प्रकार की बाधा न आए तथा सार्वजनिक संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

जनपद प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान न केवल कानून व्यवस्था को सु.ढ़ करेगा,बल्कि ग्रामीण विकास एवं जनसुविधाओं को भी नई दिशा प्रदान करेगा ।इस अभियान में डीएम के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार तथा मुख्य राजस्व अधिकारी श्रीमती रिंकी जायसवाल व अन्य अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन जनपद के उपजिलाधिकारियों से खाली कराये गये चकमार्गों की बराबर रिपोर्ट ली जा रही है।

कर्नलगंज रेलवे स्टेशन पर बिछड़ा किशोर मिला, त्वरित कार्रवाई पर आरपीएफ की है रही सराहना

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कर्नलगंज रेलवे स्टेशन पर एक 14 वर्षीय किशोर के ट्रेन से बिछड़ जाने का मामला सामने आया, जिसमें रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से बड़ी अनहोनी टल गई ।आरपीएफ टीम ने तत्परता दिखाते हुए किशोर को सुरक्षित बरामद कर उसे परिवार से मिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार,श्रावस्ती जिले के सिरसिया थाना क्षेत्र के जानकी नगर निवासी आशुतोष शुक्ला (14), पुत्र शिव शंकर शुक्ला, गाड़ी संख्या 15081 से यात्रा कर रहा था ।इसी दौरान कर्नलगंज रेलवे स्टेशन पर पानी लेने के लिए वह ट्रेन से नीचे उतर गया, लेकिन तभी ट्रेन चल दी और किशोर स्टेशन पर ही छूट गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोंडा हरकत में आ गया ।दिनांक 24 अप्रैल को रात्रि ड्यूटी पर तैनात सहायक उप निरीक्षक रामदत्त प्रसाद को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष लखनऊ से सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद कर्नलगंज स्टेशन पर तैनात स्टाफ कांस्टेबल अमन कुमार त्रिपाठी और कांस्टेबल विनोद कुमार सिंह ने तत्काल स्टेशन परिसर में खोजबीन शुरू की ।आरपीएफ टीम की सक्रियता का परिणाम रहा कि कुछ ही समय में किशोर स्टेशन परिसर में सकुशल मिल गया। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक के निर्देश पर कांस्टेबल अमन कुमार त्रिपाठी किशोर को अपने साथ लेकर आरपीएफ पोस्ट गोंडा पहुंचे ।यहां नियमानुसार रेलवे चाइल्ड लाइन गोंडा के सुपरवाइजर अमित पांडेय और केस वर्कर सत्य प्रकाश सिंह को बुलाया गया। आवश्यक कागजी कार्रवाई और गवाहों की मौजूदगी में किशोर को सुरक्षित रूप से चाइल्ड लाइन टीम के सुपुर्द कर दिया गया, ताकि उसे उसके परिजनों से मिलाया जा सके ।आरपीएफ की इस त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। यह घटना एक बार फिर दर्शाती है कि सतर्कता और जिम्मेदारी से बड़ी घटनाओं को टाला जा सकता है।

सीएचसी उतरौला में भीषण गर्मी से बढ़े मरीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। मौसम के बदलते तेवर व बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी ने क्षेत्र में लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतरौला में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शनिवार, को ओपीडी में कुल 495 मरीजों का उपचार किया गया। इनमें सबसे ज्यादा मरीज हीट वेव यानी लू से प्रभावित रहे। सभी का चिकित्सकों ने समुचित इलाज किया और जरूरी सलाह दी। सीएचसी अधीक्षक डॉ. चन्द्र प्रकाश सिंह ने कहा कि दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक धूप सबसे तीखी रहती है। इस दौरान अनावश्यक बाहर न निकलें। जरूरी होने पर सिर और शरीर ढककर निकलें और हल्के, सूती कपड़े पहनें डॉ. सिंह ने कहा कि गर्मी में डिहाइड्रेशन बड़ी समस्या है। प्यास न लगे तब भी नियमित पानी पीते रहें। ओआरएस घोल, नींबू पानी, छाछ, लस्सी और नारियल पानी जैसे तरल पदार्थ अधिक लें।

भीड़भाड़ और ज्यादा गर्म जगहों से बचें। ठंडी व हवादार जगह पर रहें। उन्होंने कहा कि चक्कर आना, उल्टी, तेज बुखार, बेहोशी या अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखें तो नजरअंदाज न करें। मरीज को तुरंत छायादार जगह ले जाकर प्राथमिक उपचार दें और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर से संपर्क करें। डॉ. सिंह ने कहा कि भीषण गर्मी में सावधानी और जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। सभी लोग उपायों का पालन कर खुद और परिवार को सुरक्षित रखें।

बस्ती विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

मो० सरफराज नवाज खान पुत्र मो० अयूब व शीबा असरफ खान पत्नी मो० सरफराज नवाज खान गाटा सं0–544, ग्राम–मड़वानगर तप्पा–हवेली परगना बस्ती पूरब, जनपद बस्ती द्वारा उक्त गाटे में हास्पिटल के निर्माण के सम्बन्ध में मानचित्र संख्या–BSDA/BP/25–26/0322 को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है। पक्ष द्वारा उक्त भूखण्ड में हास्पिटल के उपयोग हेतु निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। उक्त स्थल का भू–उपयोग बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) में कम्पनी बाग से बड़ेवन मार्ग पर 33.5 मी० रोड पर व्यवसायिक (बाजार स्ट्रीट) के अन्तर्गत आता है। बस्ती महायोजना 2031 (भाग–क) में दिये गये जोनिंग रेगुलेशन एवं मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि–2025 एवं आदर्श जोनिंग रेगुलशेन में भू–उपयोग जोन्स 15.3.2 में विभिन्न क्रियाओं की अनुमन्यता से सम्बन्धित जोन मैट्रिक्स 5.7 में (व्यवसायिक बाजार स्ट्रीट) भू–उपयोग के अन्तर्गत हास्पिटल (50 शैय्या तक) सामान्यतः अनुमन्य है।

मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि–2025 एवं आदर्श जोनिंग रेगुलशेन में शासन के निर्गत आदेश दिनांक–21.11.2025 के अनुसार जोनिंग नियम अध्याय 18 के प्रस्तर 15.1.3 समाघात शुल्क में नियमावली 2024 का संदर्भ है, जिसमें 15 दिन की अवधि निर्धारित है। प्रस्तर 15.1.3 (iv) **''महायोजना भू–उपयोग अथवा अनुमोदित ले–आउट में परिभाषित भू–उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रकिया के अनुसार जनता से आपत्ति/सुझाव करने के उपरांत दी जाएगी।''**

यदि उक्त भूमि पर हास्पिटल के निर्माण हेतु मानचित्र स्वीकृत किए जाने में किसी को कोई आपत्ति हो तो, 15 दिवस के अंदर साक्ष्यों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष अथवा बस्ती विकास प्राधिकरण, बस्ती के कार्यालय में दर्ज करा सकता है, 15 दिवस की अवधि के उपरांत किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा एवं नियमानुसार मीनचित्र स्वीकृति के संबंध में कार्यवाही कर दी जाएगी।

सचिव,
बस्ती विकास प्राधिकरण,
जनपद- बस्ती

पत्रांकः– 211/ब0वि0प्रा0बस्ती/2026–27 | दिनांक– 25/04/2026

09 मई को धूमधाम से मनाया जाएगा महाराणा प्रताप का 486 वॉं जन्मोत्सव

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। अखिल क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा निर्णय लिया गया है कि महाराणा प्रताप का 486 वॉं जयंती धूमधाम से भारतवर्ष के प्रत्येक प्रांत के प्रत्येक जनपद में अपने सुविधानुसार मनाया जाए। अतः भारतवर्ष के समस्त प्रदेश अध्यक्षों,मंडल एवं जनपद अध्यक्षों से अनुरोध है कि अपने–अपने प्रदेश के प्रत्येक जनपदों में अपनी सुविधानुसार महाराणा प्रताप की जयंती मनाते हुए उसकी सूचना प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ–साथ राष्ट्रीय एवं प्रांतीय कार्यालय को भी देने का कष्ट करें। भारतवर्ष के प्रत्येक राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों से अनुरोध है कि अपने–अपने जनपदों में महाराणा प्रताप की जयंती मनाने में अपना योगदान देने के लिए संगठन अपेक्षा करता है।

विश्व मलेरिया दिवस पर छात्र–छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। चंद्रावती कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडीकल साइंसेज, पकड़ी उसका रोड के बी.एससी नर्सिंग एवं जीएनएम के छात्र–छात्राओं ने 25 अप्रैल 2026 को विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर वी.पी.एल. हॉस्पिटल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, भाषण और फ्लैश कार्ड के माध्यम से मरीजों एवं उनके परिजनों को मलेरिया से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी और जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान वी.पी. एल. हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. चंद्रेश कुमार उपाध्याय ने छात्र–छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रमों को आवश्यक बताया। वहीं कॉलेज की चेयरमैन डॉ. सलोनी उपाध्याय ने मलेरिया को एक जानलेवा बीमारी बताते हुए कहा कि इससे बचाव संभव है, बशर्ते लोग जागरूक होकर सावधानियों का पालन करें। कॉलेज के डायरेक्टर श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी विद्यार्थियों के कार्य की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सोवरन सिंह, कॉलेज स्टाफ तथा हॉस्पिटल स्टाफ उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधानों ने लंबित भुगतान को लेकर जताई नाराजगी, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। शनिवार को ब्लॉक सभागार में राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष ताकीब रिजवी के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद खंड विकास अधिकारी सर्वेश मोहन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। बैठक को संबोधित करते हुए ताकीब रिजवी ने लंबित भुगतानों एवं प्रशासनिक दिक्कतों को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधानों ने पिछले पांच वर्षों में सरकार के साथ मिलकर गांवों के विकास में अहम भूमिका निभाई है, लेकिन अब भी कई कार्यों का भुगतान लंबित है। जिलाध्यक्ष डॉ. पवन मिश्रा ने स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में कराए गए कार्यों का बकाया भुगतान जल्द कराया जाना चाहिए। वहीं ब्लॉक संघ अध्यक्ष अरविंद मणि त्रिपाठी ने कहा कि मनरेगा एवं ग्राम निधि के भुगतान में हो रही देरी से मजदूरों को परेशानी हो रही है, खासकर शादी–विवाह के इस समय में मजदूरी का भुगतान शीघ्र किया जाना आवश्यक है। बैठक में रिंकू पांडेय, मनोज कुमार, पंकज वर्मा, निसार अहमद, हजारी लाल गुप्ता, सुनील सिंह, मुसे सिंह, राम नरेश यादव, फूलचंद कन्नौजिया, सोनू मिश्रा, अरविंद पांडेय, वसीर मोहम्मद सहित कई ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

युवक का शव फंदे से लटकता मिला, मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। लोटन कोतवाली क्षेत्र के केसारी गांव में शनिवार दोपहर एक युवक का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला, जिससे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार केसारी निवासी टन्टू उर्फ अजय कुमार (27) का शव दिन में लगभग 12 बजे घर के कमरे में छत की कुंडी से गमछे के सहारे लटकता हुआ मिला। बताया जा रहा है कि घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य अपने–अपने काम से बाहर गए हुए थे। जब परिजन कमरे की ओर पहुंचे तो युवक को फंदे से लटका देख शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। मृतक विवाहित था और उसकी पत्नी इस समय मायके में थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

थाना समाधान दिवस में सुनी गईं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के क्रम में आज थाना कोतवाली बांसी में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने की तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति रही। थाना समाधान दिवस के दौरान पहुंचे शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा गंभीरता से सुना गया। जिलाधिकारी ने समस्त राजस्व निरीक्षकों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा आदि मामलों का मौके पर जाकर निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल को यह भी निर्देश दिया कि नाली विवाद, चकमार्ग, जमीन बंटवारा एवं अवैध कब्जा/पट्टा से संबंधित प्रकरणों का शिकायतकर्ता की उपस्थिति में मौके पर जाकर समाधान किया जाए। आवश्यक होने पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करने तथा अधिकतम प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। लंबित मामलों को किसी भी

स्थिति में न रखने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस में आए लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि विवादों को आपसी समझदारी से सुलझाने का प्रयास करें और किसी प्रकार के झगड़े से बचें। इस दौरान थानाध्यक्ष बांसी, राजस्व निरीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : सीओ मयंक द्विवेदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शनिवार को सीओ मयंक द्विवेदी ने मिशन शक्ति फेज–5 के तहत सर्किल शोहरतगढ़ के सभी थानों पर स्थापित महिला मिशन शक्ति केंद्र प्रभारियों एवं उनकी टीम के साथ बैठक की। इस दौरान अभियान के द्वितीय चरण (वासंतिक नवरात्रि से संचालित) के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। गोष्ठी में क्षेत्राधिकारी ने अब तक की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए अभिलेखों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने निर्देशित किया कि थानों पर आने वाली पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ सुना जाए तथा उनका त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के तहत गांवों एवं सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति लगातार जागरूक किया जाना आवश्यक है। साथ ही टीमों को निर्देश दिया गया कि वे क्षेत्र में सक्रिय रहकर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करें।

डीएम–एसपी ने पेट्रोल पंपों का किया निरीक्षण, अफवाहों से बचने की अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के साथ जनपद के विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिया कि डीजल एवं पेट्रोल का वितरण नियमानुसार किया जाए। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि वाहन में ईंधन भरवाते समय लाइन बनाकर अनुशासन बनाए रखें। साथ ही स्पष्ट किया कि जनपद में ईंधन की कोई कमी नहीं है और सप्लाई चेन लगातार सुचारु रूप से चल रही है, इसलिए किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। जिलाधिकारी ने पेट्रोल पंप संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि ईंधन की आपूर्ति नियमित बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता, जमाखोरी या कालाबाजारी न होने पाए। उन्होंने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं को निर्धारित दरों पर ही ईंधन उपलब्ध कराया जाए, अन्यथा शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिए गए कि बिना हेलमेट वाहन चालकों को पेट्रोल न दिया जाए।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम–एसपी ने किया केंद्र का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। होमगार्ड भर्ती परीक्षा के निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने परीक्षा केंद्र जय किसान इंटर कॉलेज, सकतपुर सनई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की चेकिंग, बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक को निर्देश दिया कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता एवं शुचिता के साथ संपन्न कराई जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर प्रवेश दिया जाए और शासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन कराया जाए। वहीं, परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को सतर्क रहने के निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विश्व पशुचिकित्सा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित, 1962 टीम के कार्यों की सराहना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विश्व पशुचिकित्सा दिवस के अवसर पर मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. गणेश प्रसाद रहे। इस दौरान सिद्धार्थनगर के प्रोग्राम मैनेजर सूर्यांश श्रीवास्तव, 1962 सेवा के डॉ. पवन कुमार मिश्रा, डॉ. बनारसी मिश्र, डॉ. तौहीद अहमद सहित पूरी टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा केक काटकर विश्व पशुचिकित्सा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि 1962 टीम द्वारा पूरे जनपद में पशुओं का उपचार एवं समय–समय पर टीकाकरण किया जा रहा है, जिससे पशुपालकों को काफी लाभ मिल रहा है। उन्होंने 1962 टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि टीम अत्यंत सराहनीय कार्य कर रही है और पशुपालकों के बीच उनकी सेवाओं से संतुष्टि देखने को मिल रही है। अंत में मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी ने सभी को विश्व पशुचिकित्सा दिवस की शुभकामनाएं दीं।

लोहियावाद के सजग समर्थक थे बृजभूषण तिवारी : चंद्रभूषण सिंह यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/देवरिया। डुमरियागंज के पूर्व सांसद, समाजवादी विचारक, लेखक एवं प्रखर नेता स्मृतिशेष बृजभूषण तिवारी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत डुमरी स्थित सपा जनसंपर्क कार्यालय पर आयोजित स्मृति दिवस कार्यक्रम में सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि बृजभूषण तिवारी लोहियावाद के सजग समर्थक थे, इसी कारण उन्हें "सीमांत लोहिया" कहा जाता था। उन्होंने बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान डॉ. राममनोहर लोहिया के विचारों से प्रभावित होकर बृजभूषण तिवारी ने अपना जीवन समाजवाद को समर्पित कर दिया। चंद्रभूषण सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी के गठन के बाद नेताजी मुलायम सिंह यादव द्वारा बृजभूषण तिवारी को देवरिया का संगठन प्रभारी बनाए जाने की यादों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बृजभूषण तिवारी दल, नीति, नेता और संगठन के प्रति समर्पित एक महान व्यक्तित्व थे, जो नई समाजवादी पीढ़ी के लिए आदर्श हैं। इस अवसर पर डॉ. दिनेश चंद यादव, सतेंद्र यादव, मार्कण्डेय नाथ तिवारी, सुरेश नारायण सिंह, व्यास यादव, गोविंद यादव, अयोध्या वर्मा, नाजिर अंसारी, लोरिक यादव, अशोक यादव, रामप्यारे यादव, दयानंद यादव, मुरलीधर, अभिषेक गुड्डू गोंड, शंकर गोंड, नारायण प्रसाद, श्यामसुंदर प्रसाद, बेलभद्र गोंड, सचिन कुमार, संतोष मद्धेशिया सहित अन्य लोगों ने समाजवादी पुरोधा बृजभूषण तिवारी को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिक्षक विधायक पहुंचे अस्पताल, अधीक्षक मिले गायब

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। उसका बाज़ार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में शनिवार को शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने मरीजों की सुविधाओं का जायज़ा लेने पहुँचे इस दौरान हड़कंप मच गया। अस्पताल परिसर के ओपीडी बाहर स्ट्रेचर पर पड़ा व्यक्ति अस्पताल डॉक्टरों द्वारा इलाज़ नहीं होने पर चिकित्सक को फटकार लगाई और लापरवाही पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए उन्होंने मरीजों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने की संबंधित को हिदायत दिया गया। शिक्षक विधायक ने मरीजों को मिलने वाली निःशुल्क सुविधा ओपीडी समय से संचालन करते,सरकार की ओर से मरीजों को जो सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, उसका सही से निर्वाहन करने एवं सुविधाएं मुहैया कराने का निर्देश दिया। इस दौरान अधीक्षक एसके पटेल मौके से ग़ायब मिलने पर शिक्षक विधायक ने कड़ी नाराज़गी व्यक्त कर कहा कि लापरवाही किसी भी सूरत पर बर्दास्त नहीं की जाएगी लापरवाही बरतने वाले पर कार्रवाई सुनिश्चित होगी।इस मौके पर रामेश्वर पाण्डेय, राकेश आर्या, पवन आदि रहे।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पथरा थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार गांव की 25 वर्षीय युवती ने आरोप लगाया है कि उसके ही गांव के एक युवक ने शादी का झांसा देकर करीब चार वर्षों तक उसका यौन शोषण किया। इस दौरान आरोपी उससे फोन पर बातचीत करता रहा और शादी का भरोसा देता रहा, लेकिन बाद में मुकर गया। पीड़िता का आरोप है कि 18 अप्रैल को आरोपी उसे घर के पीछे बुलाकर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बना रहा था, लेकिन उसने इंकार कर दिया। इसके बाद आरोपी ने मारपीट भी की। मामले को लेकर पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। वहीं एक अन्य घटना में डुमरियागंज थाना क्षेत्र के एक गांव में घर में घुसकर महिला से छेड़खानी का मामला भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि 21 अप्रैल की रात महिला का पति घर से बाहर था, तभी आरोपी घर में घुस आया और छेड़खानी करने लगा। शोर मचाने पर वह मौके से फरार हो गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

सम्पादकीय

जाहिर है ये लोग सार्वजनिक जीवन में बहुत चर्चित चेहरे होने के बजाय आर्थिक रूप से सम्) लोग रहे हैं। जब चयन में आर्थिक प्राथमिकताएं होती हैं तो चयनित सदस्यों के निर्णय में भी लाभ–हानि का गणित ही प्रभावी रहता है। यहां सवाल कुछ सासंदों के कारोबारी छिद्रों पर सरकारी एजेंसियों का दबाव का भी है, जिन पर पिछले दिनों कार्रवाई भी हुई थी। अनुमान लगाये जा रहे हैं कि शायद इस ...

सात सांसदों के पाला बदलने से पंजाब में पार्टी कमजोर

पंजाब में विधानसभा चुनाव से सिर्फ दस महीने पहले, राज्यसभा के सात सांसदों द्वारा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी का संकट गहराता नजर आ रहा है। बगावती तेवरों वाले तीन राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी में विभाजन की घोषणा करते हुए कहा है कि उच्च सदन में आप के दो–तिहाई सांसद यानी दस में सात सदस्यों ने एक गुट के रूप में भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निर्णय कर लिया है। हाल के महीनों में खासे मुखर रहने वाले राघव चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाये जाने के बाद उनके द्वारा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद तो विभाजन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। विडंबना यह है कि राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर आप के उप नेता की जगह लेने वाले अशोक मित्तल ने भी उनका ही साथ दिया है। इसमें दो राय नहीं कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के लिये यह सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। एक समय था कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी में नई पीढ़ी का ऊर्जावान प्रतीक चेहरा माना जाता रहा है। अब वे ही आप नेतृत्व पर पार्टी के मूलभूत आदर्शों से पीछे हटने का आरोप लगा रहे हैं। राघव व पार्टी के अन्य बागी सांसदों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों को प्राथमिकता देने के बजाय निजी लाभ को तरजीह दे रही है। उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ही हैं। जिन्हें पंजाब में मान सरकार की बागडोर दिल्ली से संचालित करने वाला माना जाता रहा है। जैसा कि आपेक्षित था, आबकारी नीति मामले में मुश्किल में फंसे और अदालती लड़ाई लड़ रहे केजरीवाल ने इन सांसदों पर विश्वास तोड़ने और पंजाब की जनता से छल करने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने आप से अलग होने वाले सांसदों पर पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी केजरीवाल के निशाने पर है, जिस पर उन्होंने सुनियोजित साजिश करके आम आदमी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वास्तव में भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी कड़ी में भगवा पार्टी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाबी पायी है। निश्चित रूप से राज्य सभा में आप के दो तिहाई सांसदों का टूटकर भाजपा में मिलना आम आदमी पार्टी के लिये बड़ी चुनौती है। जिसके चलते पंजाब में अपनी खोई जमीन पाने के लिये पार्टी को एकजुट करके आगे बढ़ने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि आप के कुछ और नेता आगामी दिनों में भाजपा का दामन थाम लें। लेकिन यहां सवाल आप सुप्रीमो पर उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने इन नेताओं को राज्यसभा का टिकट देते वक्त पार्टी की रीति–नीतियों की कसौटी पर परखा था या फिर पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं को ही उनकी योग्यता मान लिया गया था। जाहिर है ये लोग सार्वजनिक जीवन में बहुत चर्चित चेहरे होने के बजाय आर्थिक रूप से समृद्ध लोग रहे हैं। जब चयन में आर्थिक प्राथमिकताएं होती हैं तो चयनित सदस्यों के निर्णय में भी लाभ–हानि का गणित ही प्रभावी रहता है। यहां सवाल कुछ सासंदों के कारोबारी छिद्रों पर सरकारी एजेंसियों का दबाव का भी है, जिन पर पिछले दिनों कार्रवाई भी हुई थी। अनुमान लगाये जा रहे हैं कि शायद इस कार्रवाई के बाद विभिन्न कारोबार से जुड़े अन्य सांसद भी दबाव में आ गए। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ राजग की धुलाई मशीन से गुजरना ज्यादा सुरक्षित महसूस किया। बहरहाल, इस घटनाक्रम ने अन्य राज्यों में विपक्षी दलों के लिये भी खतरे की घंटी बजा दी है। निश्चय ही इंडी गठबंधन के लिये अपने दलों को एकजुट रखना आने वाले दिनों चुनौती साबित हो सकता है।

बेचारा रसगुल्ला तो पिछड़ गया जी

अगर वह बर्फी से, कलाकंद से भी पिछड़ता तो भी बात समझ में आती। लेकिन यहां तो झालमुड़ी ने रसगुल्ले को पछाड़ दिया। कुछ ही दिनों में उसे करोड़ों लोगों ने सर्च किया और उसके लिए करोड़ों व्यूज आ गए। यूं तो रसगुल्ला चाहत की चीज है, प्रेम करने की चीज है, लेकिन इन दिनों आप चाहें तो उसके साथ सहानुभूति भी प्रकट कर सकते हैं, क्योंकि जो रसगुल्ला हमेशा ही दूसरी मिठाइयों पर भारी पड़ता रहा, उनसे आगे निकलता रहा, उन्हें पछाड़ता रहा, वही रसगुल्ला इधर दस रुपये की झालमुड़ी से पिछड़ गया है। वह अगर बंगाल के संदेश से पिछड़ता, वह रसमलाई से पिछड़ता, गुलाब जामुन से भी पिछड़ता, यहां तक कि अगर वह बर्फी से, कलाकंद से भी पिछड़ता तो भी बात समझ में आती। लेकिन यहां तो झालमुड़ी ने रसगुल्ले को पछाड़ दिया। कुछ ही दिनों में उसे करोड़ों लोगों ने सर्च किया और उसके लिए करोड़ों व्यूज आ गए। जो रसगुल्ला बंगालियों के दिल के इतने करीब था, वह दस रुपये की झालमुड़ी से पिछड़ गया। हालांकि, झालमुड़ी भी बंगालियों के दिल के बहुत करीब है। लेकिन बंगालियों ने उन्हें आमने–सामने कभी नहीं खड़ा किया। लेकिन मोदीजी ने कर दिया। वे तो परिवार के लोगों को आमने–सामने खड़ा कर देते हैं। जलकुकड़े तो उन पर आरोप लगाया ही करते हैं कि वे तो भाई–भाई को आमने–सामने खड़ा कर दें। बस उनके सामने कोई खड़ा नहीं होना चाहिए। लेकिन यह सच है कि इधर रसगुल्ला झालमुड़ी से पिछड़ गया है। उसका रस, उसकी चाश्नी, उसकी नर्म–स्पंजी बनावट, मुड़ी यानी मुरमुरों, सरसों के तेल और हरी मिर्च के तीखेपन से हार गयी। बंगालियों को समझ में नहीं आ रहा कि यह क्या हो गया। एक बार जब ओडिशा वालों ने रसगुल्ले पर अपना दावा ठोक दिया था तो, बंगाली जी जान से उनसे लड़े थे और रसगुल्ले को उसी तरह से बंगाल ले गए थे, जैसे कोई ट्रॉफी जीतकर ले जाता है। लेकिन झालमुड़ी पर किसी ने दावा किया ही नहीं। वह तो बंगालियों की ही है। अलबत्ता थोड़ा बहुत बिहार वाले उस पर दावा कर सकते हैं। हम तो वैसे भी लड्डू जलेबी वाले लोग हैं। झालमुड़ी बजाय यहां तो भुने हुए चने ही चलते हैं और वह भी बस आठ बजे वाली डोज के लिए चाहिए। रसगुल्ला और झालमुड़ी अमीर और गरीब किस्म के दो वर्ग हैं। रसगुल्ला अभिजात्यवर्गीय है। झालमुड़ी सर्वहारा है। रसगुल्ला सेलिब्रिटी मिठाई है। लेकिन मोदीजी ने झालमुड़ी को सेलिब्रिटी बना दिया। कुछ लोगों का मानना है कि ऐसा नहीं है कि मोदीजी ने झालमुड़ी खाई और वह हिट हो गयी। मोदीजी तो वहवाली मशरूम भी खाते हैं, जिसे लेकर जलकुकड़े न जाने क्या–क्या कहते रहते हैं। पर वह तो हिट नहीं हुई। उसके तो करोड़ों व्यूज नहीं आए। मोदीजी तो खिचड़ी, ढोकला, फाफड़ा वगैरह भी खाते हैं। पर वे ऐसे कहां हिट हुए। ऐसे में यह झालमुड़ी की अपनी खासियत होगी जो वह इतनी हिट हुई। नहीं क्या?

‘सुविधा’ को ‘स्वच्छंदता’ बनने से रोकने की पहल

अक्सर ई–फार्मेसी कंपनियां खुद को महज `बिचौलिया´ बताकर पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 ने अब आम जन को एक सशक्त विधिक हथियार दिया है। यदि कोई कंपनी गलत या घटिया दवा की आपूर्ति करती है, तो उसे `डेफिशिएंसी इन सर्विस´ द्धसेवा में कमीत्र के आधार पर उपभोक्ता अदालत में चुनौती दी जा सकती है। क्षति की स्थिति में हर्जाना भरने व कानूनी कार्रवाई का ...

इस डिजिटल खेल का सबसे भयावह पहलू नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध दुरुपयोग है। अनिद्रा या तनाव से राहत पाने के लिए बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक ‘लत’ पैदा करती हैं, बल्कि विशेषज्ञ की निगरानी के अभाव में मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं। बदलते दौर ने दवाओं की उपलब्धता को ‘जरूरत’ से ‘सुविधा’ में बदल दिया है। सामाजिक भरोसा अब स्मार्टफोन की एक ‘क्लिक’ में सिमट गया है। डिजिटल इंडिया की इस सुनहरी तस्वीर में दवाएं महज आधे घंटे में आपके दरवाजे पर पहुंच रही हैं। लेकिन कानून की कसौटी पर सवाल यह है कि क्या दवाओं की होम–डिलीवरी को पिज्जा ऑर्डर करने जितना ही सरल मान लेना चाहिए? ‘ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940’ की जटिल कड़ियां और ‘शेड्यूल–एच’ दवाओं के जोखिम संकेत देते हैं कि ई–फार्मेसी की यह डगर जितनी चिकनी दिखती है, कानूनी और चिकित्सकीय सुरक्षा के लिहाज से उतनी ही पथरीली है। ई–फार्मेसी कंपनियों का तर्क है कि वे तकनीक के जरिए दवाओं की उपलब्ध ाता आसान बना रही हैं। वहीं, केमिस्ट का कहना है कि यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ है। असली संकट तब शुरू होता है जब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी वैध पर्चे के या पुराने, धुंधले पर्चों के आधार पर दवाएं बेची जाने लगती हैं। एक आम आदमी के लिए यह केवल ‘सुविधा’ है, लेकिन कानून की किताब में यह ‘अपराध’ की श्रेणी में आता है। जब आप बिना डॉक्टर की सलाह के खुद अपना डॉक्टर

बनकर दवाएं मंगवाते हैं, तो आप अनजाने में एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस रहे होते हैं, जहां से निकलना मुश्किल है। भारत में औषधियों का व्यापार ‘ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940’ के अधीन है। चूंकि यह कानून इंटरनेट युग से पूर्व का है, इसलिए ई–फार्मेसी फिलहाल एक ‘ग्रे एरिया’ में सक्रिय हैं। कानून की स्पष्ट मर्यादा है कि ‘शेड्यूल एच’ और ‘एच–1’ श्रेणी की दवाएं बिना पंजीकृत डॉक्टर के वैध पर्चे के नहीं बेची जा सकतींय ऐसा करना सीधे तौर पर विधिक उल्लंघन है। इस विसंगति को दूर करने के लिए सरकार ने नए नियमों का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के लिए केंद्रीय औषधि ा मानक नियंत्रण संगठन के पास पंजीकरण अनिवार्य होगा। इन प्रावधानों का उद्देश्य जन–स्वास्थ्य की सुरक्षा को तकनीक के माध यम से सुदृढ़ करना है। इस डिजिटल खेल का सबसे भयावह पहलू नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंध ाधुंध दुरुपयोग है। अनिद्रा या तनाव से राहत पाने के लिए बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक ‘लत’ पैदा करती हैं, बल्कि विशेषज्ञ की निगरानी के अभाव में मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसी प्रतिबंधित दवाओं का अवैध व्यापार आपको गंभीर कानूनी पचड़ों और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। वहीं, बिना पर्चे के एंटीबायोटिक्स का सेवन ‘एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस’ को जन्म दे रहा है, जिससे भविष्य में सामान्य संक्रमणों पर भी दवाएं बेअसर हो जाएंगी। पारंपरिक स्टोर एक ‘मानवीय स्पर्श’ और तत्काल जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं, जहां फार्मासिस्ट पर्चे की भौतिक जांच कर उसके दुरुपयोग को रोकता है और मरीज को दवाओं के ‘साइड इफेक्ट्स’ के प्रति सचेत कर एक व्यक्तिगत विश्वास की कड़ी बनाता है। इसके विपरीत, ई–फार्मेसी की दुनिया एल्गोरिदम पर टिकी है, जहां ‘सुविधा’ के साथ ‘जोखिम’ भी गहरे हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता ‘कोल्ड चेन मेंटेनेंस’ (दवाओं के रखरखाव का तापमान) को लेकर है। यदि इंसुलिन जैसी जीवन–रक्षक दवाएं गोदाम से ग्राहक तक पहुंचने के दौरान निर्धारित तापमान पर न रखी जाएं, तो वे बेअसर होकर जानलेवा साबित हो सकती हैं। सुरक्षा की पहली शर्त यह है कि उपभोक्ता केवल उन्हीं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करें जो सरकार द्वारा पंजीकृत हों। विधिक दृ ष्टिकोण से, 6 महीने से अधिक पुराने पर्चे पर दवा मंगवाना न केवल स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा है, बल्कि इसे ‘अवैध खरीद’ की श्रेणी में भी रखा जा सकता है। ‘भारी डिस्काउंट’ के प्रलोभन में गुणवत्ता से समझौता करना अपने जीवन को दांव पर लगाने जैसा है। अक्सर ई–फार्मेसी कंपनियां खुद को महज ‘बिचौलिया’ बताकर पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 ने अब आम जन को एक सशक्त विधिक हथियार दिया है। यदि कोई कंपनी गलत या घटिया दवा की आपूर्ति करती है, तो उसे ‘डेफिशिएंसी इन सर्विस’ (सेवा में कमी) के आधार पर उपभोक्ता अदालत में चुनौती दी जा सकती है। क्षति की स्थिति में हर्जाना भरने व कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए बाध्य हैं। डिजिटल बिल और पैकेजिंग को साक्ष्य के रूप में संभाल कर रखना इस कानूनी लड़ाई में आपका सबसे बड़ा आधार है।

मुक्त प्रवाह में खलल के बीच मछुआरे की सुध

हरेक रणनीति कमरे से शुरू होकर रसोई, खेत और कारखानों पर मार करती है। आम आदमी होर्मुज जलडमरू में नहीं रहता। वह यहां से निकलने वाले जलमार्ग के किसी छोर पर रहता है, उन कमरों में बैठकर लिए फैसलों के छोर पर जिनमें घुसने की उसे इजाजत नहीं, वह जिस व्यवस्था पर निर्भर है उसपर उसका वश नहीं। इसी वजह से प्रवाह का नियम रणनीतिक अंतर्दृष्टि बनकर नहीं रह सकता...

पश्चिम वैश्विक प्रवाह में व्यवधान की असल कीमत व्यवस्था एवं जिंदगियां चुका रही हैं। होर्मुज में नाकाबंदी का असर आपूर्ति शृंखला में व्यवधान के चलते ऊर्जा (पैट्रोल) व खाद्यान्न की कीमतों पर हो रहा है। जिसका असर महंगाई के रूप में आमजन के जीवन पर ही पड़ेगा। एक ऐसी साझी वैश्विक स्वचालित रूपरेखा की जरूरत है जिसके आवाजाही का सतत बने रहना जरूरी है। वैश्विक प्रवाह यानी मुक्त आवाजाही में व्यवध ाान पड़ता है, तो इसका असर नाकाबंदी वाले बिंदु या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। दूर तक फैलता है। तेल से लेकर भोजन और रोजी–रोटी तक, इसकी कीमत व्यवधान वाली जगह से सुदूर क्षेत्रों को भी सहनी पड़ती है। जिस आवाजाही का सतत बने रहना जरूरी है उसके लिए हर बार वार्ता करने की जरूरत क्यों पड़े। यह सततता नियमबद्ध हो न कि अपवादवश पुनः खोलना। जब ‘प्रवाह के नियम’ की व्याख्या पहली बार द ट्रिब्यून में की गई, तो यह विचार बतौर सिद्धांत नहीं आया था। यह एक गैर–रूढ़िवादी किंतु सहजबोध से उत्पन्न धारणा थी, क्योंकि मछुआरा हर जगह मौजूद है, हर क्षेत्र में जहां जीवन–निर्वाह मुक्त आवाजाही पर निर्भर है। जहां सततता रही वहां स्थिरता कायम है, जहां इसमें बाधा बनी, व्यवस्था पर दबाव पड़ा। जब मुक्त प्रवाह में खलल पड़े तो ताकतवर में तकरार होता है, वहां भुगतना कमजोरों को पड़ता है। कीमत

मछुआरे को चुकानी पड़ती है। फिर, होर्मुज स्ट्रेट में, दुनिया ने उस कोताही की कीमत भुगती, जब आवाजाही नियमों की रूपरेखा तय करने से मुंह चुराया। व्यवधान पुनः बना, त्वरित परिणाम भी। बाजार में वस्तुओं की कमी हो गई। बीमा कंपनियां हिचकिचाने लगीं। आपूर्ति शृंखला लड़खड़ा गई। कुछ ही दिनों में, राष्ट्र जुटे, संधि या गठबंधन के तहत नहीं, बल्कि निर्भरता वश। यूके–फ्रांस की अगुवाई में एक प्रयास होने लगा, बतौर एक युद्धकालीन गठबंधन नहीं बल्कि जल परिवहन सुचारू रखने हेतु सुरक्षात्मक प्रबंध ान के रूप में। सुरक्षा प्रदाता पोत साथ भेजने की बात चली। अपने नौसैन्य जहाज और सैनिक तैनात करने की पेशकश हुई। उद्देश्य था यह सुनिश्चित करना कि जल मार्गों में मुक्त आवाजाही बनी रहे। होर्मुज गठजोड़ कोई गठबंधन नहीं। स्वीकारोक्ति है। प्रवाह के नियम सीएलओसीस (सी लाइन्स ऑफ कम्युनिकेशन) का विकल्प नहीं। खंडित दुनिया में, जो मार्ग मुक्त रहना चाहिए हर बार खतरा आने पर उसको खुलवाने को समझौता वार्ता की नौबत क्यों बने? आवाजाही खुद अक्षुण्ण रहे। लेकिन उस दिन कुछ और हुआ। इस्लामाबाद में इस मुद्दे पर एक बैठक हुई थी। दोनों पक्ष वार्ता मेज पर आए। अपनी–अपनी स्थिति बताई व अड़े रहे। लेकिन कोई हल नहीं निकला। दुनिया ने वार्ता होते देखी पर उससे नई संरचना जन्म लेते नहीं। मौके को मिसाल में बदलना हाथ से निकल गया। यह सही होने की बात नहीं है। बल्कि इस बारे कि सही होने से क्या पता चलता है और क्या दायित्व उत्पन्न होते हैं। वही कुछ इस पल का अनुग्रह है। जो हुआ वह नियमों की रूपरेखा बनना नहीं था। यह दबाव में आकर बनाई एक कामचलाऊ व्यवस्था थी। फ्रांस और ब्रिटेन ने इक्यावन देशों को इसलिए इकट्ठा नहीं किया कि सिद्धांत ने यह करवाया बल्कि इसलिए कि कोताही की फौरी कीमत चुकानी पड़ रही है और नजरअंदाज करना नामुमकिन हो गया। वे संरक्षक जरूरत के चलते बने हैं। यह फर्क मायने रखता है। इस दिशा में प्रवाह का नियम सही साबित हुआ। लेकिन सिद्धांत और संरचना के बीच अंतर खतरनाक रूप से कायम है। इंसान जो कीमत चुका रहा रू इससे पहले कि हम जलडमरूओं और शीर्ष समझौता वार्ताओं पर फिर आएं, उनके बारे में सोचें कि जिन्हें व्यवधान की कीमत चुकानी पड़ती है। न रणनीतिकारों को, न मंत्रियों को, तेल के व्यापारियों को भी नहीं, यह तो केरल के किसी मछुआरे को सहनी पड़ रही है, जिसके लिए डीजल का दाम दोगुना हो गया। साहेल का वह किसान जिसकी खाद नहीं पहुंची। वियतनाम का कोई कारखाना मालिक जिसका निर्यात आर्डर जहाजरानी रूट बदल जाने पर खारिज हो गया। काहिरा का परिवार जो गेहूं की आवक में कमी से रोटी के बढ़े दाम देने पड़ रहे। यह दुनिया में बार–बार दस्तक देने वाली सच्चाई है, जो प्रवाह सुचारु रहने पर निर्भर है, क्योंकि इसको सुरक्षित रखने के वास्ते नियमों की रूपरेखा नहीं बनाई गई। कोविड–19 को किसी पासपोर्ट की दरकार नहीं थी। यह उन्हीं राहों से फैला जिनसे सामान, पूंजी और लोग आवाजाही करते हैं। जब प्रवाह रुका, तो सबसे कम बचत वालों को सबसे पहले और ज़्यादा भुगतना पड़ा यानि दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी श्रमिक। व्यवधान उनका बनाया नहीं था। फिर भी भुगतना उन्हें ही पड़ा। युद्ध का असर अब वहीं तक सीमित नहीं रहता जहां यह चल रहा होता है। यह आपूर्ति शृंखला में दाखिल हो जाता है। एक इलाके की जंग दूसरे इलाके के अन्न भंडार खाली करवा देती है। एक बंदरगाह पर हुए हमले से समूचे महासागरीय क्षेत्र में दाम बढ़ जाते हैं। आज युद्ध एक योजनाबद्ध व्यवधान है। नाकेबंदी अपना फायदे खुलेआम घोषित नहीं करती। होर्मुज जलडमरू बंद होने के कुछ हफ्तों में ही, तेल का दाम बढ़कर सौ डॉलर प्रति बैरल होने का बोझ हरेक पैट्रोल पंप, हर ट्रांसपोर्ट लाइन , ढुलाई की जाने वाली हर चीज की कीमत पर पड़ा। केरल के मछुआरे ने इसके लिए वोट नहीं दिया था, फिर भी इसकी कीमत चुका रहा है। कोविड–जलवायु परिवर्तन–युद्ध–नाकाबंदी, इसका उदगम स्थल भिन्न, प्रभाव इनका एक जैसा। शुरुआत कुछ लोगों के फैसलों से होती है और हश्र करोड़ों–अरबों लोगों को प्रभावित करता है। हरेक की शुरुआत खबरों की सुर्खियों के रूप में होती है और परिणति घर खर्च पर पड़े बोझ के रूप में।

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई, का 'Human Chain' वाला राज, Tracking से बचने की अनोखी तरकीब

यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई, 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में अपने पिता, अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु के बाद नेतृत्व संभालने के बाद से ही सार्वजनिक नजर से काफी हद तक दूर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जिसमें एक ईरानी अधिकारी का हवाला दिया गया है, नए नेता की कोई भी वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग जारी नहीं की गई है। इसके बजाय, उनके निर्देश विशेष रूप से सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से साझा किए जाते हैं या सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाए जाते हैं। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि मोजतबा जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वह अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में कमजोर या असहाय नहीं दिखना चाहते।

सुप्रीम लीडर की सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व स्तर तक पहुँच गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि रिवोल्यूशनरी गार्ड के वरिष्ठ कमांडर और सरकार के उच्च–रैंकिंग अधिकारी उनसे मिलने से परहेज करते हैं, इस डर से कि इजराइल उनकी गतिविधियों के जरिए उनके ठिकाने का पता लगा सकता है और उनकी हत्या की साजिश रच सकता है। अमेरिका और इजराइल द्वारा की जाने वाली अत्याधुनिक ट्रैकिंग से बचने के लिए, रिपोर्ट में एक साधारण लेकिन सुरक्षित संचार प्रणाली का विस्तृत विवरण दिया गया है। मोजतबा के लिए भेजे जाने वाले संदेश हाथ से लिखे जाते हैं, लिफाफों में बंद किए जाते हैं और भरोसेमंद संदेशवाहकों की एक श्मानव श्रृंखलाश के जरिए आगे बढ़ाए जाते हैं। बताया जाता है कि ये संदेशवाहक

उनकी षछिपी हुई जगहष तक पहुँचने के लिए मोटरसाइकिलों और कारों में राजमार्गों और ग्रामीण इलाकों की पिछली सड़कों से गुजरते हैं, और उनके जवाब भी उसी सुरक्षित मार्ग से वापस आते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा उद्धृत अधिकारी ने आगे बताया कि, हालांकि शीर्ष नेता इन हमलों में षगंभीर रूप सेष घायल हो गए थे, फिर भी वे षमानसिक रूप से पूरी तरह सचेत और सक्रियष बने हुए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन हमलों से षउनके चेहरे को नुकसान पहुंचा हैष और उन्हें षप्लास्टिक सर्जरीष की आवश्यकता पड़ गई है।

रिपोर्ट में दिए गए मेडिकल विवरणों से संकेत मिलता है कि मोजतबा की चोटें काफी गंभीर और व्यापक हैं। बताया गया है कि उनके एक पैर की तीन बार सर्जरी हो चुकी है और अब वह कृत्रिम पैर लगने का इंतजार कर रहे हैं, जबकि उनके घायल हाथ के बारे में कहा जा रहा है कि वह षधीरे–धीरे अपनी कार्यक्षमता वापस पा रहा है।ष इसके अलावा, उनके षचेहरे और होठोंष पर लगी चोटों के कारण कथित तौर पर षउन्हें बोलने में भी कठिनाई हो रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने आगे बताया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान जो स्वयं एक प्रशिक्षित हृदय सर्जन हैंकृऔर देश के स्वास्थ्य मंत्री, दोनों ही सीधे तौर पर षउनकी देखभाल में शामिल रहे हैं।ष बताया गया है कि यह नेता अपने किसी अज्ञात स्थान पर षज्यादातर डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों से घिरे रहते हैं।

उनके स्वास्थ्य से जुड़े इन दावों के जवाब में सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के एक्स अकाउंट पर की गई एक पोस्ट में दुश्मन के मीडिया अभियानों की कड़ी आलोचना की गई। इस पोस्ट में ऐसे रिपोर्टों पर आरोप लगाया गया कि वे, उन हमलों में लगी चोटों के विवरण सामने आने के बाद जिनमें अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु हो गई थी देश की एकता और राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। यह रिपोर्ट अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे एक अस्थिर संघर्ष–विराम के दौरान सामने आई हैय यह संघर्ष–विराम मध्य–पूर्व में हुई भीषण लड़ाई के एक दौर के बाद लागू हुआ था। शत्रुता में आई इस रुकावट के बावजूद, होरमुज जलडमरूमध्य को लेकर एक बड़ा गतिरोध अभी भी बना हुआ है।

मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज कलाई की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं। अल्काराज ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी।

स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए था और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए था। उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब सोमवार को मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स समारोह में हिस्सा लिया तो उनकी कलाई में पट्टी बंधी हुई थी।

उन्हें इस समारोह में विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

अल्काराज ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया। उन्होंने कहा, ''आज किए गए परीक्षणों के परिणामों के बाद हमने फैसला किया है कि सबसे समझदारी भरा कदम सतर्क रहना तथा रोम (इटालियन ओपन) और रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में भाग नहीं लेना है। यह मेरे लिए मुश्किल समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा।'' अल्काराज ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए थे। उसके बाद से उन्होंने केवल एक ही खिताब जीता है। उन्होंने फरवरी में दोहा में जीत हासिल की थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें मोंटे कार्लो के फाइनल में यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत से सिनर फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन गए थे। सिनर को उम्मीद है कि अल्काराज जल्द ही वापसी करेंगे।

उन्होंने मैड्रिड ओपन में पहले दौर की जीत के बाद कहा, ''टेनिस को कार्लोस की जरूरत है। उनके होने से टेनिस का खेल और भी बेहतर हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। मुझे लगता है कि उनका अगला लक्ष्य विंबलडन (जून में) है, और मैं यही उम्मीद करता हूं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह विंबलडन में वापसी करेंगे।'' इटालियन ओपन पांच मई से और फ्रेंच ओपन 18 मई से शुरू होगा।

मैथ्यू हेडन का बड़ा बयान, आईपीएल को इंटरनेशनल क्रिकेट से बड़ा समझते हैं विदेशी खिलाड़ी

आईपीएल दुनिया की सबसे महंगी क्रिकेट लीग है। हर कोई इस लीग में खेलना की इच्छा रखता है। विदेशी खिलाड़ी तो आईपीएल खेलने के लिए रिटायरमेंट तक ले लेते हैं, क्योंकि उन्हें आईपीएल में खेलने के लिए एनओसी की जरूरत पड़ती है और कई बार बोर्ड अपने खिलाड़ी को एनओसी देने में आनाकानी करते हैं। ऐसे में खिलाड़ी रिटायर हो जाते हैं और फ्री एजेंट के तौर पर टूर्नामेंट खेलते हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने बड़ा बयान दिया है।

आईसीसी ने आईपीएल को ही इंटरनेशनल क्रिकेट में विंडो दी हुई है, जब कहीं किससी तरह की क्रिकेट नहीं खेली जाती है। अगर खेली भी जाती है तो बड़े देश उसमें कम शामिल होते हैं। बहुत से खिलाड़ी हैं जो अपने देश की क्रिकेट से आगे आईपीएल को तवज्जो देते हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन, जो अभी आईपीएल 2026 मेंगुजरात टाइटंस के बल्लेबाजी कोच हैं, उन्होंने बताया कि कई विदेशी खिलाड़ी आईपीएल को इंटरनेशनल क्रिकेट से भी बड़ा मानते हैं। मैथ्यू हेडन ने ऑल ओवर बार द क्रिकेट पॉडकास्ट पर बताया कि, अलग–अलग टीमों से बात करने पर मुझे लगता है कि विदेशी खिलाड़ी खासकर साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी हम कुछ हद तक, न्यूजीलैंड के खिलाड़ी इस कॉम्पिटिशन को ऐसे दिखाते हैं जैसे ये इंटरनेशनल क्रिकेट से भी बड़ा हो। हेडन ने आगे कहा कि वह समझते हैं कि विदेशी खिलाड़ी ऐसा क्यों सोचते हैं और उन्होंने इसके बारे में समझाया भी। उनका कहना है कि करीब दो महीने तक सिर्फ क्रिकेट ही यहां खेली जाती है।

अमेरिका–ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान बना नया अखाड़ा? फील्ड मार्शल मुनीर से मिले ईरानी विदेश मंत्री

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की। यह मुलाकात तब हुई जब अमेरिका के साथ गहरे होते कूटनीतिक गतिरोध के बीच एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तानी राजधानी पहुंचा। यह उच्च–स्तरीय बैठक ऐसे समय में हुई जब शहर में सुरक्षा के चलते कड़ा लॉकडाउन लगा हुआ हैय अधिकारियों ने मुख्य सड़कों को सील कर दिया है और अत्यधिक सुरक्षा वाले श्रेड जोनश को सख्त घेरे में ले लिया है। एक अलग कूटनीतिक कार्यक्रम में उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्हें इस्लामाबाद में अपने भाई, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची का स्वागत करके और उनसे मिलकर खुशी हुई। उन्होंने आगे कहा कि वह षक्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हमारी सार्थक चर्चाओं का बेसब्री से इंतजार करेंगे। इस यात्रा का समय विशेष रूप से संवेदनशील है, क्योंकि व्हाइट हाउस ने हाल ही में घोषणा की थी कि दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर भी ईरान के साथ संभावित बातचीत के लिए इस क्षेत्र का दौरा करेंगे।

हालांकि, तेहरान अपने विरोध पर अडिग रहा है, और उसने साफ कहा है कि वह अमेरिका के साथ कोई बैठक नहीं करेगा। इस कूटनीतिक गतिरोध ने इस्लामाबाद की षव्यापारिक रफ्तारष को लगभग ठप कर दिया हैय श्ब्लू एरियाश के बाजार लगभग खाली पड़े हैं और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। खबरों के अनुसार, स्थानीय निवासियों को जरूरी चीजों की बढ़ती कमी और लंबे समय से बनी अनिश्चितता के कारण हो रहे मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिबंधों की यह मौजूदा लहर 11–12 अप्रैल को हुई चर्चाओं के शुरुआती सत्र के दौरान लगाए गए इसी तरह के लॉकडाउन के बाद आई है, जो बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गया था। इस्लामाबाद में चल रहा यह कूटनीतिक तनाव तीन मुख्य मुद्दों पर पूरी तरह से बने गतिरोध के कारण पैदा हुआ हैरू तेहरान का अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम और उसकी परमाणु महत्वाकांक्षाओं का भविष्य, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना, और लेबनान में इजराइल के सैन्य अभियान। हालांकि व्हाइट हाउस ने इशारा किया है कि दूत आमने–सामने बातचीत के लिए तैयार हैं, तेहरान के सरकारी मीडिया ने इस दावे को खारिज कर दिया है, और जोर देकर कहा है कि सीधी बातचीत षहोने की उम्मीद नहीं है। इसके बावजूद, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कन्फर्म किया कि दो दूत अराघची के साथ बातचीत करने वाले हैं, उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह एक फायदेमंद बातचीत होगी और उम्मीद है कि यह डील की ओर आगे बढ़ेगी। उन्होंने आगे साफ किया कि हालांकि वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस साइट पर नहीं जाएंगे, लेकिन वह पूरी तरह से शामिल हैं। प्रोग्रेस की कमी पर बात करते हुए, **US** वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस ने कहा कि 21 घंटे की गहरी बातचीतष से पहले कोई कामयाबी नहीं मिली थी। वेंस ने कहा कि उनका न्यूक्लियर प्रोग्राम और उनके पास पहले जो एनरिचमेंट फैसिलिटी थीं, उन्हें खत्म कर दिया गया है। लेकिन हमें और न्यूक्लियर हथियार न बनाने का कोई कमिटमेंट नहीं दिख रहा है। ये चर्चाएं 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद देखी गई कुछ सबसे बड़ी डिप्लोमैटिक बातचीत हैं। लेकिन, बातचीत फिर से शुरू करने की कोशिशें रुक गई हैं क्योंकि तेहरान बातचीत की टेबल पर लौटने से मना कर रहा है, जबकि ै नेवल ब्लॉकेड उसके पोर्ट्स पर एक्टिव है। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर षअसल में ब्लॉकेडष लगा दिया है, जिससे जरूरी एनर्जी कॉरिडोर से समुद्री ट्रैफिक बहुत कम हो गया है और ग्लोबल मार्केट में अफरा–तफरी मच गई है। इस रुकावट के बीच, वॉशिंगटन मिडिल ईस्ट में अपनी मिलिट्री बिल्ड–अप जारी रखे हुए है, जिसमें **USS** जॉर्ज **HW** बुश भी शामिल है, जो इस इलाके में तैनात तीसरा **US** एयरक्राफ्ट कैरियर है। साथ ही, ै ने इकोनॉमिक प्रेशर बढ़ा दिया है, एक बड़ी चीनी ऑयल रिफाइनरी और ईरानी क्रूड ऑयल के ट्रांसपोर्ट से जुड़ी लगभग 40 शिपिंग फर्मों और टैंकरों पर नए बैन लगाए हैं। फॉरेन ऑफिस के मुताबिक, षइस दौरे के दौरान, ईरानी फॉरेन मिनिस्टर पाकिस्तान के सीनियर लीडरशिप के साथ मीटिंग करेंगे ताकि लेटेस्ट रीजनल डेवलपमेंट्स के साथ–साथ रीजनल शांति और स्टेबिलिटी के लिए चल रही कोशिशों पर चर्चा की जा सके,ष जबकि कैपिटल अभी भी षसस्पेंडेड एनिमेशनष की हालत में है और अभी तक इस बात की कोई कन्फर्मेशन नहीं है कि नई बातचीत होगी या नहीं।

श्रीसंत ने किया बड़ा दावा, हरभजन सिंह ने थप्पड़कांड से कमाए 1 करोड़ रुपये

आईपीएल 2026 के बीच एक बार फिर श्रीसंत और हरभजन सिंह का थप्पड़कांड की चर्चा शुरू हो गई है। 2008 में हुए विवाद ने उस वक्त काफी सुर्खियां बटोरी थीं। अब श्रीसंत के बयान से एक बार फिर ये वाकया सुर्खियों में आ गया है।

दरअसल, श्रीसंत ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भज्जी ने थप्पड़कांड पर आधारित एक विज्ञापन से करीब 1 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके अलावा श्रीसंत ने कहा कि अब उन्होंने हरभजन को इंस्टाग्राम पर ब्लॉक भी कर दिया है। इंडिया टुडे के हवाले से श्रीसंत ने कहा कि मैंने कभी किसी इंटरव्यू में भज्जी को लेकर बात नहीं की जब तक कोई विवाद नहीं था। लेकिन उन्होंने उस बारे में एक विज्ञापन से करीब 80 लाख से 1 करोड़ रुपये कमाए। फिर उन्होंने मुझे कॉल करके उस विज्ञापन को स्टोरी पर शेयर करने के लिए कहा। श्रीसंत ने आगे कहा कि, मैंने उनसे कहा कि मैं माफ कर दूंगा लेकिन कभी भूलूंगा नहीं। अगर आपके साथ कोई गलत है तो आपको उन्हें माफ करदेना चाहिए लेकिन भूलना नहीं चाहिए। अगर आप भूल जाते हैं तो वो फिर वैसा करेंगे इस बारे में कोई शक नहीं है।

भारत–चीन को नरक बताना ट्रंप को पड़ा भारी! गुस्से में आए बड़े देश!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत को लेकर विवादित बयान दिया और भारत विरोधी अपनी मानसिकता और अपनी सोच का सबूत पेश किया। 22 अप्रैल 2026 को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया जिसमें अमेरिका के एक रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पडकास्ट की टिप्पणियां थी। इस पोस्ट में भारत और चीन को हेलहोल यानी नरक बताया गया। भारतीय और चीनी मूल के प्रवासियों को लैपटॉप वाले गैंगस्टर कहकर संबोधित किया गया। इस पोस्ट में दावा किया गया है कि भारत और चीन जैसे देशों से आए प्रवासियों ने अमेरिका को माफिया परिवारों से भी ज्यादा नुकसान पहुंचाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भारत ने दो टूक जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा ट्रंप की टिप्पणियां स्पष्ट रूप से अज्ञानतापूर्ण अनुचित अस्वीकार हैं। तथ्य और वास्तविकता से परे हैं। लेकिन अपनी मूर्खता का परिचय देने वाले ट्रंप को सबसे तगड़ा जवाब ईरान ने दिया। ईरान ने भारत की तारीफ की और कहा कि शायद किसी को ट्रंप के लिए एक वन वे कल्चरल डिटॉक्स बुक कर देना चाहिए जिससे उनकी बिना मतलब की बयानबाजी कम हो सके। साथ ही लिखा गया कि कभी भारत आकर देखो। फिर बोलना भारत को नर्क बताने वाले ट्रंप को हैदराबाद में ईरानी कंसुलेट ने भी आईना दिखाया।

चीनी हथियार वाले जहाज पर अमेरिका का कब्जा, मचा बवाल !

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच अब एक और नया मोड़ सामने आया। अमेरिका द्वारा जब्त किए गए एक ईरानी मालवाहक जहाज को लेकर अब चीन ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। सवाल यह है कि क्या वाकई चीन इस पूरे मामले में शामिल है या फिर यह सिर्फ एक भू राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप का खेल है। दरअसल, खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना ने एक मालवाहक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया। अमेरिका का दावा है कि इस जहाज पर मिसाइल निर्माण से जुड़ी खतरनाक रासायनिक सामग्री लदी हुई थी और यह जहाज ईरान जा रहा था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक जब जहाज को रोकने के लिए कहा गया तो उसने आदेश मानने से इंकार कर दिया। इसके बाद अमेरिकी नौसैनिक जहाज ने फायरिंग की और फिर मरीन कमांडो ने उस जहाज को कब्जे में ले लिया। अब इस पूरे मामले में सबसे बड़ा बयान आया है अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली की तरफ से।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि यह जहाज चीन से ईरान जा रहा था और इसमें मिसाइल वाली सामग्री थी। यह साफ सबूत है कि चीन ईरान की मदद कर रहा है। हेली का कहना है कि चीन लगातार ईरान के शासन को मजबूत करने में लगा हुआ है जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। अब इन आरोपों के बाद चीन ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गो जियाकुन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार यह एक विदेशी ध्वज वाला मालवाहक जहाज है। चीन का इससे कोई संबंध नहीं है। चीन ऐसे किसी भी निराधार आरोप का कड़ा विरोध करता है। यानी साफ है चीन इस मामले में खुद को पूरी तरह अलग बता रहा है। अब बात करें ईरान की तो उसने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

ईरानी सेना ने अमेरिका की इस कारवाई को समुद्री डकैती करार दिया। ईरान ने चेतावनी दी कि अमेरिका की इस कारवाई का जवाब दिया जाएगा। इतना ही नहीं सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी सेना का कहना है कि अमेरिका ने ना केवल जहाज पर हमला किया बल्कि उसके नेविगेशन सिस्टम को भी नष्ट कर दिया। ईरान का साफ कहना है कि अमेरिका ने इस कारवाही के जरिए सीज फायर का उल्लंघन किया। ओमान सागर के जल क्षेत्र में हुई इस घटना को लेकर ईरान ने अंतरराष्ट्रीय नियमों की बात उठाई। इस पूरे विवाद के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी चीन को लेकर सख्त अपनाया। अगर चीन ईरान को हथियार या सैन्य सहायता देता है तो उस पर भारी टेरिफ यानी कि शुल्क लगाया जाएगा। इससे साफ है कि मामला सिर्फ एक जहाज का नहीं बल्कि अमेरिका, चीन, ईरान के बीच बढ़ती राजनीतिक टकराव का हिस्सा है।

भारती एयरटेल फाउंडेशन व शिक्षा विभाग की दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच में भारती एयरटेल फाउंडेशन एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने प्रतिभागी प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए 'क्वालिटी सपोर्ट प्रोग्राम' के अंतर्गत प्रोजेक्ट ओरिएंटेशन एवं स्कूल एक्सीलेंस प्रोग्राम के माध्यम से विद्यालयों को बेहतर बनाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संस्था के सहयोग से विद्यालयों को उन्नत कार्यों की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। कार्यशाला में बताया गया कि भारती एयरटेल फाउंडेशन देश के 12 राज्यों में 1200 से अधिक सरकारी विद्यालयों में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित कर रहा है। इसी क्रम में लखनऊ व श्रावस्ती के बाद अब बहराइच जिले के चितौरा एवं हुजूरपुर ब्लॉकों के 25 चयनित विद्यालयों में भी इस पहल की शुरुआत

की गई है। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के रीजनल हेड संदीप कुमार शारदा एवं स्टेट हेड ब्रजेश भारद्वाज ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। साथ ही चयनित विद्यालयों को दी जा रही वेलकम किट का अवलोकन व उद्घाटन भी किया गया। प्रोजेक्ट ओरिएंटेशन सत्र में चयनित विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं एक–एक शिक्षक को कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं लाभों से अवगत कराया गया। वहीं स्कूल एक्सीलेंस प्रोग्राम के अंतर्गत विद्यालयों को बेहतर बनाने की रणनीतियों, चुनौतियों के समाधान एवं उन्नयन की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। स्वॉट एनालिसिस के आधार पर विजन स्टेटमेंट तथा स्कूल डेवलपमेंट प्लान के विभिन्न चरणों पर प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने मिलकर अपने–अपने विद्यालयों के लिए विकास योजनाएं तैयार कीं, जिससे आगामी सत्र में शिक्षा स्तर को बेहतर बनाया जा सके। इस अवसर पर डीसी ट्रेनिंग प्रदीप वर्मा भी उपस्थित रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और संस्था के सहयोग से विद्यालयों को अगले स्तर तक ले जाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के प्रशिक्षक आरिफ अहमद सिद्दीकी, हरदीप सिंह, सिल्की भाटिया तथा अकादमिक मेंटर अस्तित्व त्रिपाठी, पूनम यादव, शशि रंजन, अभिषेक पांडेय, राजन सिंह, सोनाली यादव सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

अस्मिता खेलो इंडिया डिस्ट्रिक्ट हैंडबॉल विमेन लीग सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर में यूपी ओलिंपिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया डिस्ट्रिक्ट हैंडबॉल विमेन लीग 24 अप्रैल को सम्पन्न हुई जिसके विशेष अतिथि मीता गुप्ता (डिस्ट्रिक्ट एम्प्लॉयमेंट ऑफिसर) मुख्य अतिथि डॉ. शिवानंद पाण्डेय (प्रोफेसर एम.एल.के. कॉलेज) सम्मानित अतिथि डॉ. एम. पी. तिवारी (चेयरमैन पायनियर पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज) एवं उपक्रीड़ाधिकारी कमाल अहमद, कोच प्रवेश रावत , नागेंद्र गिरी, विजय शंकर पांडे, पवन मिश्रा, सूरज कुमार, अभय सिंह एवं सभी स्टाफ की देख रेख में खेल का शुभ आरम्भ हुआ ।जिसमें कुल 8 टीम सेंट. जेवियर्स , पायनियर , सी. एम. एस, अवधूत , टीटू वर्ल्ड , एम. एल. के, सुंदरदास , और स्टेडियम ने प्रतिभाग किया लीग का पहला मैच अवधूत और टीटू वर्ल्ड के बीच खेला गया

जिसमें टीटू वर्ल्ड ने जीत हासिल की दूसरा लीग मैच पायनियर और सेंट. जेवियर्स के बीच खेला गया जिसमें सेंट जेवियर्स ने जीत हासिल की तीसरा लीग मैच सी.एम.एस और एम. एल. के के बीच खेला गया जिसमें सी.एम.एस ने जीत हासिल की और चौथा लीग मैच स्टेडियम और सुंदरदास के बीच खेला गया जिसमें स्टेडियम ने जीत हासिल की और पहला सेमी–फाइनल टीटू वर्ल्ड और सेंट जेवियर्स के बीच खेला गया जिसमें सेंट सेवियर ने टीटू वर्ल्ड को हरा का फाइनल में अपनी जगह बनाई और वही दूसरा सेमी–फाइनल स्टेडियम और सी.एम.एस के बीच खेला गया जिसमें सी.एम.एस को हरा कर स्टेडियम ने फाइनल में अपनी जगह बनाई फाइनल शाम 4 बजे खेला गया जिसके मुख्य अतिथि कमल किशोर (अधिशासी अभियन्ता आर .एस)विशिष्ट अतिथि विकास सिंह कलहंस (एडवोकेट) हसन कुरैशी (फुटबॉल सचिव) रश्मि सिंह (हॉकी सचिव) ज्ञान दत्त, रामाशीष, शीला पाठक, उपक्रीड़ाधिकारी कमाल अहमद, प्रवेश रावत ,नागेंद्र गिरी, विजय शंकर पांडे, पवन मिश्रा, सूरज कुमार ,अभय सिंह के समक्ष फाइनल खेला गया ।

राम सुंदर पांडेय बने प्रदेश महासचिव, बोले-"प्रधानों की आवाज को मिलेगा मजबूत मंच"

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन में अहम जिम्मेदारी सौंपते हुए राम सुंदर पांडेय को प्रदेश महासचिव बनाया गया है। यह निर्णय राष्ट्रीय महासचिव सुरेश कुमार शर्मा के अनुमोदन पर प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा द्वारा लिया गया। इससे पहले पांडेय संगठन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। नियुक्ति के बाद जिले भर के ग्राम प्रधानों और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल है। संगठन के जिलाध्यक्ष भगवानदीन मिश्रा, पंचायत विकास मंच के संयोजक सूरज शुक्ला, तथा प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह सहित सैकड़ों प्रधानों ने उन्हें बधाई दी और संगठन को मजबूत

बनाने की उम्मीद जताई।प्रदेश महासचिव का संबोधन नवनियुक्त प्रदेश महासचिव राम सुंदर पांडेय ने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ–साथ बड़ी चुनौती भी है। उन्होंने कहा, "मैं संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करूंगा। प्रदेश के सभी ग्राम प्रधानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। हमारा प्रयास रहेगा कि संगठन को गांव–गांव तक मजबूत किया जाए, ताकि प्रधानों की आवाज सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।" जिलाध्यक्ष भगवानदीन मिश्रा ने खुशी जताते हुए कहा, "राम सुंदर पांडेय एक सक्रिय और जुझारू कार्यकर्ता हैं। उनके प्रदेश महासचिव बनने से संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। हमें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में ग्राम प्रधानों की समस्याओं का समाधान तेजी से होगा और संगठन की पकड़ जमीनी स्तर पर और मजबूत होगी।" संगठन के अन्य पदाधिकारियों का भी मानना है कि इस नियुक्ति से न केवल संगठन की गतिविधियों में तेजी आएगी, बल्कि ग्राम प्रधानों की आवाज को प्रदेश स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी।

विश्व मलेरिया दिवस पर छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फखरपुर के अंतर्गत गजाधरपुर गांव एवं विद्यालयों में एसकेएस कॉलेज सबलापुर की जीएनएम फाइनल ईयर की छात्राओं द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान छात्राओं ने गांव की गलियों में भ्रमण कर लोगों को मलेरिया के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। उन्होंने नारे लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया और बताया कि घरों के आसपास पानी जमा न होने दें, साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें तथा मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें। छात्रा ईशा तिवारी ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य गांव–गांव जाकर लोगों को जागरूक करना है, ताकि मलेरिया जैसी

बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सके। शीतू शुक्ला ने बच्चों को हेल्दी डाइट और स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि संतुलित आहार और साफ–सफाई से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। वहीं दिव्या ने कहा कि मलेरिया एक खतरनाक बीमारी है, लेकिन थोड़ी सावधानी बरतकर इससे बचा जा सकता है। अरविंद ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को जरूरी बताते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। इस दौरान छात्राओं ने ग्रामीणों और बच्चों को मलेरिया के लक्षण, कारण और बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में स्वच्छता और सतर्कता अपनाने का संदेश देते हुए लोगों से अपील की गई कि वे मच्छरों से बचाव के उपायों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। इस अवसर पर ईशा तिवारी, शीतू शुक्ला, दिव्या, साक्षी, पूजा, नैंसी, नेहा, पूनम, विजेता, अंशिका, अपर्णा, रोली, शिवानी, जूली, अरविंद, रेनू, रंजना एवं श्वेता सहित अन्य छात्राएं मौजूद रहीं।

आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड बनाने का अभियान तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए जाने का कार्य तेजी से चल रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा है कि जो भी नागरिक योजना के पात्र हैं, वे शीघ्र अपना गोल्डन कार्ड बनवा लें। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड धारकों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज सरकारी एवं चिन्हित निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाता है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों के इलाज में बेहद सहायक साबित हो रही है। सीएमओ ने कहा कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर गोल्डन कार्ड बनाने की सुविधा उपलब्ध है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद के सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाएं और समय रहते अपना गोल्डन कार्ड बनवाकर स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करें।

न्यायालय के आदेश की अनदेखी,10 दिन बाद भी नहीं दर्ज हुई एफआईआर,पीड़ित कहा लगाये न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र में न्यायालय के आदेश की अवहेलना का गंभीर मामला प्रकाश मे आने पर न्याय व्यवस्था को लेकर लोगों में चर्चा का विषय बन गया है।बता दें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गोन्डा द्वारा दिए गए स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कर्नलगंज कोतवाली पुलिस ने निर्धारित समय–सीमा के भीतर मुकदमा दर्ज नहीं किया,जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।मामला प्रकीर्ण वाद सं० 623/2026 से जुड़ा है,जिसमें न्यायालय ने दिनांक 15 अप्रैल 2026 को थानाध्यक्ष कर्नलगंज को आदेशित किया था कि आवेदक शंकर दयाल के प्रार्थना पत्र पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत

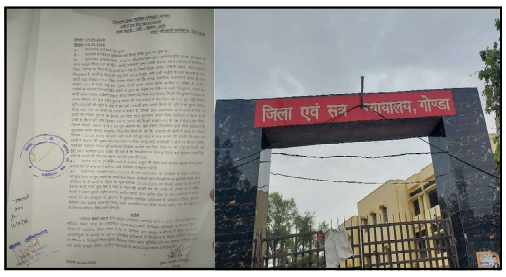

कर निष्पक्ष विवेचना की जाए तथा 10 दिन के भीतर न्यायालय में आख्या प्रस्तुत की जाए। निर्धारित 10 दिन की अवधि 25 अप्रैल को पूरी हो चुकी है, लेकिन अब तक न तो प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है और न ही न्यायालय में कोई आख्या प्रस्तुत की गई है।ऐसे में इसे न्यायालय के आदेश की अवमानना के रूप में देखा जा रहा है।पीड़ित शंकर दयाल, निवासी ग्राम नकहा बसन्त, ने बताया कि विपक्षी शिवकुमार ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर 29 जनवरी 2025 को उसकी जमीन का बैनामा करा लिया। इसके विरोध पर 22 फरवरी 2026 को उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित के अनुसार, स्थानीय थाना और संबंधित अधिकारियों से शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उसे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।20 अप्रैल 2026 को एसपी गोन्डा को भी प्रार्थना पत्र देकर न्यायालय के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की,लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

बहराइच में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, दो ट्रैक्टर व मशीन सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

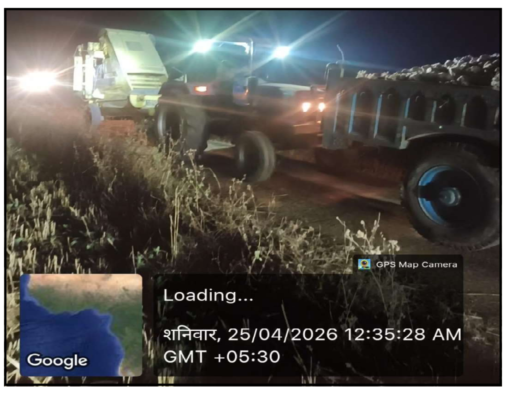

बहराइच। जनपद में लगातार मिल रही अवैध खनन की शिकायतों पर खनन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने जलालपुर क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध रूप से मिट्टी खनन कर रहे दो ट्रैक्टर और एक खनन मशीन को रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई में खनन अधिकारी मनीष कुमार और कैसरगंज कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम शामिल रही। पकड़े गए सभी वाहनों को तत्काल प्रभाव से सीज कर कोतवाली कैसरगंज पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, सोनारी चौराहा, नदोलया और हाजीपुर क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से लगातार अवैध खनन हो रहा था। इससे कृषि योग्य भूमि को भारी नुकसान पहुंच रहा था और किसानों को आर्थिक क्षति झेलनी पड़ रही थी। खनन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध खनन में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने साफ किया कि जिले में किसी भी स्थिति में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही भविष्य में भी ऐसे मामलों पर सघन अभियान चलाकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

महिला आरक्षण बिल समर्थन रैली में हादसा, सदर विधायक बाल–बाल बचीं

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। महिला आरक्षण बिल के समर्थन में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की जन आक्रोश रैली के दौरान एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। रैली में सदर विधायक अनुपमा जायसवाल समेत बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में जनपद के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार, रैली के दौरान राहुल गांधी और अखिलेश यादव का पुतला दहन किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक आग भड़कने से सदर विधायक अनुपमा जायसवाल हल्का झुलस गईं। हालांकि मौके पर मौजूद लोगों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया और विधायक सुरक्षित बच गईं। घटना के बाद कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल बन गया, लेकिन स्थिति जल्द ही नियंत्रण में आ गई।

बहराइच में लू और गर्मी से राहत के लिए नगर पालिका का बड़ा अभियान, शहर भर में फॉगिंग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नगर पालिका बहराइच ने शहरवासियों को राहत देने के लिए विशेष अभियान चलाया। इसके तहत नगर के विभिन्न वार्डों में फॉगिंग गन मशीन से व्यापक छिड़काव कराया गया। नगर पालिका की टीम ने वार्ड–वार्ड जाकर पूरे शहर को कवर किया और मच्छरों व बैक्टीरिया के प्रभाव को कम करने के लिए लगातार फॉगिंग की। गर्मी के मौसम में संक्रामक बीमारियों के खतरे को देखते हुए यह कदम काफी अहम माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका की इस पहल की सराहना की। एक निवासी ने बताया कि ष्गर्मी में मच्छर और बैक्टीरिया बहुत बढ़ जाते हैं। फॉगिंग से काफी राहत मिली है। नगर पालिका का ये कदम सराहनीय है।ष नगर पालिका अधिकारियों के अनुसार, बढ़ते तापमान के चलते बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में जरूरत के अनुसार फॉगिंग अभियान लगातार जारी रखा जाएगा। नगर पालिका की इस कार्रवाई से शहरवासियों ने राहत की सांस ली है और लोगों ने नियमित रूप से छिड़काव कराए जाने की मांग भी की है।

बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर एकल यात्रा अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन बांद्रा टर्मिनस से 26 अप्रैल से

गोरखपुर । रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की सुविधा हेतु 09157 बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर एकल यात्रा अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन बांद्रा टर्मिनस से 26 अप्रैल,2026 को किया जायेगा। 09157 बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर अनारक्षित एकल यात्रा ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 26 अप्रैल,2026 को बांद्रा टर्मिनस से 00.30 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 01.03 बजे, वापी से 02.44 बजे, सूरत से 04.05 बजे, वड़ोदरा से 06.22 बजे, रतलाम से 10.32 बजे, कोटा से 14.27 बजे, सवाई माधोपुर से 16.32 बजे, गंगापुर सिटी से 17.24 बजे, हिन्डौन सिटी से 18.06 बजे, बयाना से 18.46 बजे, भरतपुर से 19.38 बजे, मथुरा जं0 से 20.48 बजे, हाथरस सिटी से 21.50 बजे, कासगंज से 23.25 बजे, दूसरे दिन बरेली सिटी से 02.30 बजे, इज्जतनगर से 03.05 बजे, पीलीभीत से 04.25 बजे, मैलानी से 07.30 बजे, सीतापुर से 10.40 बजे, बुढ़वल से 13.20 बजे, गोण्डा से 14.50 बजे, बस्ती से 16.25 बजे तथा खलीलाबाद से 17.05 बजे छूटकर गोरखपुर 18.15 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 15, साधारण द्वितीय श्रेणी के 02 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 19 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे।

दिशा की बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को दिया गया सख्त निर्देश

कलेक्ट्रेट सभागार में दिशा समिति की बैठक सम्पन्न, विकास कार्यों की समीक्षा एवं त्वरित समाधान के लिए दिया गया निर्देश

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में कुशीनगर सांसद विजय कुमार दुबे की अध्यक्षता एवं सह–अध्यक्ष देवरिया सांसद शशांक मणि त्रिपाठी की उपस्थिति में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति, दिशा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अध्यक्ष ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मंच है। जहां भारत सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि इस बैठक के माध्यम से जनपद के विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा होती है तथा जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेकर उनके त्वरित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी समाधान हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा किया कि वे योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करें। गर्मी के दृष्टिगत विद्युत व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए अध्यक्ष ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, जर्जर तारों एवं पोलों के प्रतिस्थापन तथा आवश्यक मरम्मत कार्य समय से पूर्ण करने के निर्देश दिया। साथ ही विद्युत केंद्रों पर 24 घंटे ड्यूटी सुनिश्चित करने एवं संबंधित कर्मियों के संपर्क नंबरों का व्यापक प्रचार–प्रसार करने को कहा। उन्होंने विभाग में कर्मचारियों की कमी के संबंध में प्रस्ताव शासन को भेजने के भी निर्देश दिया। अध्यक्ष ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर जनसामान्य को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिया। उन्होंने हाल ही में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु जिलाधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि इस आयोजन से कुशीनगर को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है और पर्यटन के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं विकसित हुई हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पर्यटन विकास से जनपद की तस्वीर में सकारात्मक बदलाव आएगा। सह–अध्यक्ष शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि आगामी 12 महीनों के लिए ठोस विकास रणनीति तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धन की कोई कमी नहीं है। इसलिए अगले 15 दिनों में प्राथमिकताएं निर्धारित कर कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने जल, बिजली एवं स्वास्थ्य को सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बताते हुए इन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने तथा जन प्रतिनिधियों के सुझावों पर गंभीरता से कार्य करने को कहा।

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने समिति को अवगत कराया कि जनपद में तकनीक के माध्यम से विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने बताया कि दुर्गा फाउंडेशन के साथ हुए एमओयू के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के छात्रों को कंप्यूटर एवं डिजिटल तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें एक्सेल, एमएस वर्ड, एआई एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जानकारी शामिल है। उन्होंने बताया कि जनता दर्शन को डिजिटाइज करते हुए एक ऐप लॉन्च किया गया है। जिसके माध्यम से शिकायतों का निस्तारण 5 से 7 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में 5 डिजिटल वालंटियर तैयार किए जाने की योजना है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पुराने डीआईओएस कार्यालय में एआई हब स्थापित किया जा रहा है। बैठक में जन प्रतिनिधियों द्वारा रसोई गैस की उपलब्धता, पेट्रोल–डीजल की आपूर्ति, स्वास्थ्य केंद्रों पर एक्स–रे मशीन, दवाओं की उपलब्धता एवं 24 घंटे डॉक्टरों की तैनाती से संबंधित मुद्दे भी उठाए गए। प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को रात्रि में मुख्यालय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए। साथ ही रेलवे अंडरपास एवं ओवर ब्रिज से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक के प्रारंभ में जिलाधिकारी ने अध्यक्ष एवं सह–अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक द्वारा किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं अनुपालन आख्या से सभी को अवगत कराया। जिला प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि 'दिशा' समिति की सक्रियता से जनपद में विकास कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता में और अधिक सुधार होगा। इस अवसर पर विधायक पडरौना मनीष जायसवाल, विधायक फाजिलनगर सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा, विधायक हाटा मोहन वर्मा, विधायक तमकुही डॉ० असीम कुमार, विधायक खड्डा विवेकानन्द पाण्डेय, विधायक रामकोला विनय प्रकाश गौंड, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदीप जायसवाल, समस्त ब्लॉक प्रमुख के साथ सभी जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के 41 वें जिलाधिकारी के रूप में चर्चित गौड़ ने किया कार्यभार ग्रहण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नवागत जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने शनिवार को जिले के 41वें जिलाधिकारी के रूप में जिला कोषागार के डबल लॉक में विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त नवागत जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि भूमि विवाद के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जायेगा, विधि एवं शांति व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा और विकासपरक योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा। नवागत जिलाधिकारी वर्ष–2016 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा आई0ए0एस0 कैडर के अधिकारी हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर थे , इसके पूर्व आगरा में उपाध्यक्ष आगरा विकास प्राधिकरण, फिरोजाबाद में मुख्य विकास अधिकारी पद पर पर तैनात रह चुके हैं। कार्यभार ग्रहण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) रमेश कुमार,अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे रोहित यादव, वरिष्ठ कोषाधिकारी इन्द्रभान सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी रामलाल यादव, ओ0एस0डी0जिलाधिकारी राम आधार सहित वरिष्ठ अधिकारीगण, कोषागार के रामवृक्ष सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहें।

जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न, अध्यक्ष का किया गया चयन

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से विधायक रामकोला विनय प्रकाश गौड़ को जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति का अध्यक्ष नामित किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समिति में 5 ग्राम पंचायतों के निर्वाचित ग्राम प्रधानों, जिनमें कम से कम दो महिलाएं हों, को शामिल किया जाएगा। साथ ही एक प्रतिष्ठित गैर–सरकारी संगठन से एक सदस्य तथा अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं महिला वर्ग से एक–एक प्रतिनिधि को भी नामित किया जाएगा। समिति के प्रमुख कार्यों में विकास कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन में आने वाली बाधाओं को दूर करना, लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना तथा निधियों के दुरुपयोग से संबंधित शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की संस्तुति करना शामिल है। समिति आवश्यकतानुसार मामलों को जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी अथवा परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण को जांच हेतु प्रेषित कर सकेगी। जिला प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह समिति जनपद में विकास कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक में विधायक पडरौना मनीष जायसवाल, विधायक फाजिलनगर सुरेन्द्र कुशवाहा, विधायक हाटा मोहन वर्मा, विधायक तमकुही डॉ० असीम कुमार तथा विधायक खड्डा विवेकानन्द पाण्डेय, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, नामित प्रतिनिधि मोहम्मद जफर, डिप्टी कलेक्टर, जिला विकास अधिकारी, जनपद स्तरीय अधिकारी, विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि, ब्लॉक प्रमुख विशुनपुरा, नेबुआ नौरंगिया, मोतीचक, हाटा एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

204 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार, भेजे गए जेल

कुशीनगर। जनपद के कसया पुलिस टीम ने शराब तस्करी गैंग का पर्दाफाश कर 204 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब को खाद्य सामाग्रियों के साथ छिपा कर ले जाए जा रहे एक मिनी ट्रक, एक पीकअप, एक डीसीएम तथा एक अदद मोटरसाइकिल वाहन सहित कुल कीमत लगभग 65 लाख रुपये के साथ 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। एसपी मीडिया सेल से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में जनपद में अवैध शराब बिक्री, निष्कर्षण, परिवहन के विरुध्द चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे कसया पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति, वाहन चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र से 204 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब को खाद्य सामाग्रियों के साथ छिपा कर ले जाए जा रहे एक मिनी ट्रक, एक पीकअप, एक डीसीएम तथा एक अदद मोटरसाइकिल वाहन सहित कुल कीमत लगभग 65 लाख रुपये के साथ 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिसिया पूछताछ मेंअभियुक्तों द्वारा बताया गया कि उनका एक संगठित गिरोह है। वे लोग शराब का तस्करी कर खाद्य सामाग्रियों के साथ वाहनों में छिपाकर बिहार राज्य में ले जाते हैं। इस दौरान उनके साथियों में से कोई मोटरसाइकिल वाहन पर सवार होकर रेकी का कार्य करता है। इस प्रकार बिहार राज्य में ले जाकर उचे दामों पर बेच कर अधिक धन अर्जित करते हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में अनीश अहमद पुत्र मो0 रफीक निवासी रहसु जनोबी पट्टी थाना चौराखास जनपद कुशीनगर, शिशुपाल कुशवाहा पुत्र छोटेलाल कुशवाहा निवासी परसौनी फाजिलनगर थाना पटहेरवा कुशीनगर शामिल है। बरामदगी में एक अदद मिनी ट्रक रजि0नं0 यूपी 52 की 2261, एक अदद पीकअप रजि0नं0 यूपी 52 टी 4293, एक अदद डीसीएम रजि0नं0 बीआर 06 जी सी 6347, एक अदद मोटरसाईकिल यूपी 57 ए वाई 4184 हीरो स्पेलेन्डर, 204 पेटी आफिसर्स च्वाईस ओरिजिनल व्हिस्की प्रत्येक पेटी में 48 पाऊच प्रत्येक पाऊच 180 एमएल कुल 9792 पाऊच व कुल 1762.56 लीटर शराब की कुल कीमत लगभग 11 लाख रुपये शामिल है। पुलिस टीम ने बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर मुकामी थाने पर मु0अ0सं0 0236/2026 धारा 60/72 आबकारी अधि0 में अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्तो को जेल भेज दिया है।

अज्ञात वाहन के टक्कर से टेंपो सवार गंभीर रूप से घायल चालक की हुई मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के रीवा रांची राष्ट्रीय राजमार्ग जाबर गांव में शुक्रवार की देर रात्रि लगभग 12:00 बजे दुद्धी रेलवे स्टेशन से सवारी लेकर जा रहे टेंपो संख्या जिस पर चालक सहित पांच लोग सवार थे , जो दुर्घटना के शिकार हो गए,टेंपो चालक टेंपो लेकर ज्योही जाबर गांव स्थित काशीराम आवास के पास पहुंचा सामने से तेज रतार में आ रहे अज्ञात वाहन ने सामने से टक्कर मार दी जिससे टेंपो सवार सभी गंभीर रूप से घायल हो गए और दुर्घटना स्थल पर चीख पुकार मच गई, रात्रि भ्रमण में निकले कोतवाली पुलिस के वरिष्ठ उप निरीक्षक संजय सिंह ने देखा कि टेंपो सवार सड़क पर घायल अवस्था में पड़े हैं, एस एस आई संजय सिंह ने तुरंत आनन फानन में सभी घायलों को एंबुलेंस एवं निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए, जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सक द्वारा सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया तथा चालक विवेक कुमार 30 वर्ष पुत्र जमुना राम ग्राम दिघुल को देखते ही जांच उपरांत मृत्यु घोषित कर दिया , एवं अस्पताल के मेमो जरीये पुलिस को सूचना दिया, सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु मोर्चरी भिजवा दिया एवं अग्रिम कार्रवाई में जुट गए, प्राप्त जानकारी के अनुसार अन्य घायल में 'राजेश कुमार शर्मा 35 वर्ष पुत्र रविंद्र शर्मा निवासी बघमंदवा, सफीक आलम 55 वर्ष पुत्र हनीफ, जैनुल 50 वर्ष पत्नी सफीक निवासी म एव रविंद्र 35 वर्ष पुत्र तूफानी निवासी जाताजुआ थाना विंधमगंज सोनभद्र' की हालत गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

'बेलघाट सहित करीब आधा दर्जन अस्पतालों पर डायलिसिस की सुविधा देने की तैयारी'

सीएमओ ने शासन को भेजा प्रस्ताव, बेलघाट सीएचसी का किया निरीक्षण

'गोरखपुर।' जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य महकमा डायलिसिस की सुविधा देने की तैयारी में है। इसके लिए बेलघाट ब्लॉक सहित करीब आधा दर्जन स्थानों पर यह सुविधा शुरू करने के लिए सीएमओ डॉ राजेश झा ने शासन को प्रस्ताव भेजा है। इसी कड़ी में सीएमओ ने शनिवार को बेलघाट सीएचसी का भी दौरा कर आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया।

सीएमओ ने बताया कि कैम्पियरगंज, चौरीचौरा, बांसगांव, बेलघाट व पिपरौली ब्लॉक के अलावा नंदानगर स्थित सौ शैय्या अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा शुरू करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। शासन की अनुमति और दिशा–निर्देशों के अनुसार यह व्यवस्था लागू की जाएगी। इस व्यवस्था के लागू हो जाने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को इस सुविधा के लिए जिला अस्पताल और बीआरडी मेडिकल कॉलेज में नहीं आना पड़ेगा। जरूरतमंद लोगों को अपने घर के नजदीक सरकारी प्रावधानों के अनुसार डायलिसिस की सुविधा मिल सकेगी। सरकार के निर्देश पर ही यह प्रस्ताव बना कर भेजा गया है।

सीएमओ ने बेलघाट सीएचसी पर ओटी, फार्मेसी, प्रसव कक्ष, स्टोरी, बीपीएमयू सहित विभिन्न वार्डों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधीक्षक को निर्देश दिया कि जिले से प्राप्त दवाओं, उपकरणों और लॉजिस्टिक्स का सही इस्तेमाल होना चाहिए। यह सभी चीजें आवश्यकता के अनुसार ही केन्द्र पर रखी जाएं। साफ–सफाई समुचित हो और अधिकाधिक मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देना सुनिश्चित करें।

'एलटी के साथ बैठक की'

सीएमओ ने दोपहर बाद सीएमओ कार्यालय के प्रेरणा श्री सभागार में जिले भर के एलटी के साथ बैठक भी की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि सभी एलटी रिकॉर्ड को दुरुस्त रखें। स्टॉक अच्छे तरीके से मेंटेन होने चाहिए। किसी चीज की कमी होने पर शीघ्र सूचना दें ताकि पैथालॉजिकल जांच की निर्बाध सुविधा लोगों को मिलती रहे। ऐसा वातावरण तैयार करें कि लोगों को जांच के लिए बाहर की सेवा न लेनी पड़े।

पौधरोपण बना फोटो इवेंट, जमीन पर नहीं दिख रहे पेड़, जिम्मेदार कौन ?

पौधरोपण पर करोड़ों खर्च, जमीनी हकीकत शून्य वृक्षारोपण पर बड़ा सवाल।

कुशीनगर। जनपद में वन विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। कागजों में लाखों पौधे रोपे जाने और हरियाली बढ़ाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। जंगल सिकुड़ रहे हैं, पौधरोपण योजनाएं दम तोड़ रही हैं और जिम्मेदार अधिकारी धृतराष्ट्र बने बैठे है।

ज्ञातव्य हो कि हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर पौधरोपण अभियान चलाया जाता है, लेकिन अधिकांश पौधे या तो लगाए ही नहीं जाते या फिर विभाग की लापरवाही के कारण कुछ ही दिनों में सूख जाते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गड्ढे खोदकर फोटो खिंचवा ली जाती है और बाद में सब कुछ भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। नतीजतन न निगरानी, न रखरखाव, बस फाइलों में हरे–भरे जंगल उगाए जा रहे हैं।

अवैध कटान पर लगाम नहीं—— बताया जाता है कि वन विभाग की सबसे बड़ी नाकामी अवैध कटान रोकने में दिख रही है। रात के अंधेरे में लकड़ी माफिया सक्रिय हैं और कीमती पेड़ों की कटाई धड़ल्ले से हो रही है। कई बार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होना विभाग की मिलीभगत या लापरवाही की ओर इशारा करता है।

नाम में जंगल जमीन पर सन्नाटारू– जिले में जंगल बेलवा, जंगल खिरकिया, जंगल जगदीशपुर , जंगल कुरमौल, जंगल बनवीरपुर, जंगल चौरिया, जंगल धर्मपुर, जंगल हनुमानगंज, जंगल अमवा, जंगल शाहपुर, जंगल नाहर छपरा जैसे दर्जनों गांव आज भी अपने नाम में जंगल ढो रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि इन इलाकों में अब जंगल का नामोनिशान तक नहीं बचा। सवाल यह उठता है जब यहां जंगल ही नहीं, तो ये नाम किस इतिहास की गवाही दे रहे हैं ?। स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि कभी ये पूरे इलाके घने पेड़ों और प्राकृतिक जंगलों से आच्छादित थे।अंग्रेजी शासन और उससे पहले भी यह क्षेत्र हरित पट्टी के रूप में जाना जाता था। धीरे–धीरे आबादी बढ़ी, खेती फैली और जंगल कटते चले गए बची–खुची जमीन पर भी कब्जे और लापरवाही ने अंतिम चोट कर दी।

अतिक्रमण से सिकुड़ते जंगल—— जंगल की जमीन पर कब्जे का खेल भी तेजी से बढ़ रहा है। कहीं खेत बना दिए गए, तो कहीं पक्के निर्माण तक खड़े हो गए। हैरानी की बात यह है कि विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगती या फिर मोटी रकम वसूलकर नजर अंदाज कर दिया जाता है।

बजट खर्च, नतीजा शून्य—— सरकार द्वारा वन संरक्षण के लिए हर साल भारी बजट जारी किया जाता है। लेकिन उसका सही उपयोग होता नहीं दिख रहा। न तो जंगलों की सुरक्षा मजबूत हो पा रही है, न ही जैव विविधता बचाने की कोई ठोस पहल नजर आ रही है।

मेडिकल मॉडल प्रदर्शनी का सफल आयोजन

गोरखपुर । श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, बालापार, गोरखपुर में एमबीबीएस छात्रों द्वारा मेडिकल मॉडल प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 24 अप्रैल 2026 को अस्पताल के बोर्ड रूम में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक हुआ। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में चिकित्सकीय विषयों की व्यावहारिक समझ विकसित करना तथा उनके ज्ञान को नवाचारपूर्ण मॉडलों के माध्यम से प्रस्तुत करना था।

कार्यक्रम का आयोजन प्रसूति एवं स्त्री रोग, सामान्य चिकित्सा, शल्य चिकित्सा एवं शिशु रोग विभागों के संयुक्त सहयोग से प्रोफेसर डॉ. गीता गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक एवं स्व– व्याख्यात्मक मॉडलों, क्लिनिकल केस आधारित प्रस्तुतियों तथा संवादात्मक वातावरण ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली, जिसकी सराहना की गई। यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई तथा उनके व्यावहारिक ज्ञान, टीमवर्क एवं प्रस्तुति कौशल को सुदृढ़ करने में सहायक रही।

तेज रतार ट्रेलर से कुचलकर साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर रोड पर हादसा थमने का नहीं ले रहा है। शनिवार सुबह शक्ति नगर थाना क्षेत्र के पीडब्लूडी मोड चिल्काडांड बाजार के समीप मुख्य हाइवे पर ट्रेलर की चपेट में आकर 62 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के बाद मौका देख ट्रेलर मौके से फरार हो गया लेकिन पुलिस को सूचना मिलने पर ट्रेलर को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश पुलिस ने शुरू कर दी है। उधर हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने लगभग आधे घंटे तक मुख्य हाइवे जाम रखा।पुलिस कें मुताबिक राजकिशन कॉलोनी खड़िया बाजार निवासी थाडेयुस कुजूर पुत्र फ्रांसिस कुजूर साइकिल लेकर किसी कार्यवश बाहर निकले हुए थे कि उक्त स्थल पर तेज रतार ट्रेलर से कुचलकर एक बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि चिल्काडांड बाजार पुलिया चढ़ाई मुख्य हाइवे पर बाइक को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पीएम के लिए दुद्धि रवाना कर जांच विवेचना में जुट गई है।फिलहाल खबर लिखे जाने तक परिजनों की तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गई थीं।

हिण्डाल्को ने दंत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। हिण्डाल्को ग्रामीण विकास विभाग, रेणुकूट ने बभनी विकास खंड के जनता इंटर कॉलेज में दंत स्वास्थ्य जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। शनिवार को हुए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को दांतों की सफाई और मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान 75 छात्र–छात्राओं को टूथपेस्ट और साबुन भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के तहत एक डेंटल कैंप लगाया गया, जिसमें दंत चिकित्सक डॉ. एक्यूफ अंसारी ने बच्चों को दांतों की साफ–सफाई के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बच्चों से दांतों की सफाई से संबंधित प्रश्न पूछे और उन्हें ब्रश करने के सही तरीके, समय और दांत साफ करने के नियमों की विस्तृत जानकारी दी।यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता को बढ़ावा देने के हिण्डाल्को के सतत प्रयासों का एक हिस्सा है। हिण्डाल्को ग्रामीण विकास विभाग नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।इस अवसर पर डॉ. एक्यूफ अंसारी, मुख्य ब्लॉक संयोजक लालकेश कुशवाहा, ओ.पी. सिंह, नरेश गुप्ता और संजीत कुशवाहा सहित कई अध्यापक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

फिल्म कृष्णावतारम से पहला गाना हुआ जारी, मंत्रमुग्ध कर देगी प्रेम की लीला

हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी पौराणिक फिल्म कृष्णावतारम इस साल रिलीज के लिए तैयार है। हाल ही में, इसका भव्य ट्रेलर जारी हुआ था जिसे मथुरा स्थित पवित्र श्री कृष्ण जन्मभूमि पर लॉन्च किया गया था। फिल्म का निर्माण साजन राज कुरुप और शोभा संत के क्रिएटिवलैंड स्टूडियोज एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। निर्माताओं ने फिल्म से पहला गाना प्रेम की लीला रिलीज किया है जो फैंस को मंत्रमुग्ध कर रहा है।

प्रेम की लीला गाना फिल्म की भावुक कहानी को पेश करता है। भगवान श्रीकृष्ण, राधा, सत्यभामा और रुक्मिणी को दर्शाने वाले इस गाने में भक्ति, शक्ति और तड़प की एक झलक मिलती है। यह उनकी प्रेम कहानी को समर्पित है। श्रेया घोषाल, जावेद अली और सुवर्णा तिवारी ने मिलकर गाने को आवाज दी है। बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं और प्रसाद शाष्टे ने संगीत दिया है। 3 भागों में बनी कृष्णावतारम की पहली किस्त 7 मई को रिलीज होगी।

फिल्म है जवानी तो इश्क... से जारी हुआ जोशीला गाना वाओ, वरुण का डांस उड़ा देगा होश

वरुण धवन 24 अप्रैल, 2026 को 38 साल के पूरे हो गए हैं। इस खास अवसर पर उन्होंने फैंस को एक खास तोहफा दिया है जो उनकी आगामी फिल्म है जावनी तो इश्क होना है से जुड़ा हुआ है। दरअसल फिल्म का नया गाना वाओ जारी हुआ है जो जोशीले संगीत के साथ बिल्कुल पार्टी वाली वाइब देता है। गाने में वरुण, माइकल जैक्शन स्टाइल में धमाकेदार डांस कर रहे हैं। उनके साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी हैं।

यूट्यूब पर जारी हुए इस गाने को पंजाबी गायक हार्डी संधू ने आवाज दी है। उनका साथ किरण बाजवा ने दिया है। तनिष्क बख्शी और परम राज ने संगीत दिया है, जबकि बोल रोनी अजनाली और गिल मछराई ने लिखे हैं। ब्याह करावादो जी की सफलता के बाद, फिल्म का यह दूसरा गाना है जिसने आते ही फैंस का दिल जीत लिया। डेविड धवन द्वारा निर्देशित फिल्म है जावनी तो इश्क होना है 22 मई, 2026 को रिलीज होगी।

रकुल प्रीत सिंह ने रेड ड्रेस में ढाया कहर, पति पत्नी और वो दो एक्ट्रेस की ग्लैमरस फोटोज वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म पति पत्नी और वो दो को लेकर चर्चा में हैं. आजकल वो फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. अब इस बीच रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं. हर एक फोटोज में उनका अंदाज देखने लायक है.

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो रेड कलर की शॉर्ट ड्रेस पहने दिख रही हैं. रकुल प्रीत सिंह ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का मेकअप किया हुआ है. इसके साथ उन्होंने गोल्डन इयररिंग्स पहने हैं. हाई पोनीटेल में वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं. रकुल ने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, रूप दी रानी को लगता है, लाल ड्रेस चुरा लेती है... है ना? उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. रकुल कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं. उनकी कातिलाना अदाओं ने फैंस को दीवाना बना दिया है. पति पत्नी और वो दो एक्ट्रेस का ये अंदाज देखने लायक है. हर एक तस्वीर में उनकी खूबसरती साफ झलक रही है. रकुल प्रीत सिंह का ये स्टनिंग लुक लोगों को खूब पसंद आ रहा है. यूजर्स अलग–अलग तरह के कमेंट्स कर उनपर प्यार लुटा रहे हैं. वर्क फ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह जल्द ही फिल्म पति पत्नी और वो दो में नजर आएंगी. आयुष्मान खुराना, सारा अली खान और वामिका गब्बी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. ये फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

ब्रदर्स एंड सिस्टर्स लेकर आ रहे हैं रिश्तों की गर्माहट, मई में ओटीटी पर रिलीज होगी वेब सीरीज

ओटीटी के इस दौर में जहां एक ओर प्रयोगात्मक और अलग–अलग शैलियों का कंटेंट दर्शकों तक पहुंच रहा है, वहीं आज भी एक बड़ा वर्ग पारिवारिक कहानियों से गहरा जुड़ाव महसूस करता है। इसी पसंद को ध्यान में रखते हुए नई फैमिली ड्रामा वेब सीरीज ब्रदर्स एंड सिस्टर्स दर्शकों के लिए पेश की जा रही है। मेकर्स ने घोषणा की है कि यह शो मई में ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा।

इसका निर्देशन चिदंबरम मणिवन्नन ने किया है। यह सीरीज परिवार, रिश्तों और भाई–बहनों के बीच के प्यार और संघर्ष को भावुक अंदाज में पेश करती है। इस वेब सीरीज में बोस वेंकट और गायत्री शास्त्री मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ब्रदर्स एंड सिस्टर्स की कहानी चार भाई–बहनों के इर्द–गिर्द घूमती है। सभी भाई–बहनों की सोच, करियर और जिंदगी जीने का तरीका अलग–अलग है।

कोई अपने काम में व्यस्त है तो कोई अपनी निजी जिंदगी की परेशानियों से जूझ रहा है, लेकिन इन सबके बीच जो चीज उन्हें जोड़े रखती है, वह है परिवार का रिश्ता और एक–दूसरे के लिए उनका प्यार। सीरीज में इसी रिश्ते की गर्माहट और परिवार के अंदर होने वाले छोटे–बड़े उतार–चढ़ाव को दिखाया जाएगा। सीरीज में बोस वेंकट एक सख्त पिता के किरदार में नजर आएंगे।

उनका किरदार एक ऐसे व्यक्ति का है, जो कपड़ों का शोरूम चलाता है और अपने परिवार को अपने सिद्धांतों के अनुसार चलाना चाहता है। वहीं गायत्री शास्त्री एक शांत और समझदार गृहिणी की भूमिका निभा रही हैं, जो परिवार को जोड़े रखने की कोशिश करती हैं। इसके अलावा शो में राज अयप्पा, निखिला शंकर, लुथुफ, किशोर, श्रवणिता और प्रोमोथिनी जैसे कई कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

डायरेक्टर चिदंबरम मणिवन्नन ने इस शो को लेकर अपनी भावनाएं भी साझा की हैं। उन्होंने कहा, यह सीरीज मेरे दिल के बेहद करीब है। ब्रदर्स एंड सिस्टर्स सिर्फ एक कहानी नहीं बल्कि एक एहसास है। यह शो उन परिवारों की याद दिलाएगा, जिनमें हम बड़े हुए हैं। कई बार परिवारों में प्यार खुलकर नहीं दिखता, लेकिन वह हर रिश्ते में मौजूद रहता है। यही भावना इस सीरीज में देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा, आज के समय में ज्यादातर लोग सस्पेंस और थ्रिलर कंटेंट बना रहे हैं, लेकिन मैं कुछ ऐसा बनाना चाहता था जो लोगों के दिल को छू जाए। मेरा मानना है कि दर्शकों को ऐसे शो भी चाहिए जो उन्हें अपने परिवार और रिश्तों की अहमियत का एहसास कराएं। ब्रदर्स एंड सिस्टर्स को 100 एपिसोड की लंबी सीरीज के रूप में तैयार किया गया है। इसे इस तरह बनाया गया है कि दर्शक हर हफ्ते इसके नए एपिसोड का इंतजार करें।

गर्मियों के दौरान जुखाम या एलर्जी हो गई है? इन 5 तरीकों से पाएं राहत

अगर गर्मियों के दौरान आपको जुखाम या एलर्जी जैसी समस्या हो जाती है तो इसे नजरअंदाज न करें, क्योंकि इससे आपका संपूर्ण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसके कारण काम करने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा जुखाम या एलर्जी की समस्या से सिरदर्द, गले में खराश और आंखों में खुजली जैसी कई परेशानियां भी हो सकती हैं। आइए आज हम आपको जुखाम या एलर्जी को ठीक करने के लिए कुछ आसान तरीके बताते हैं।

पानी का सेवन बढ़ाएं

जुखाम या एलर्जी के कारण शरीर में पानी की कमी हो सकती है। इससे बचने के लिए खुद को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी हो जाता है। इसके लिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सबसे अच्छा तरीका है। इसके अलावा आप नारियल पानी, ताजे फलों का रस और छाछ आदि भी पी सकते हैं। इससे आपका शरीर हाइड्रेट रहेगा और जुखाम या एलर्जी की समस्या जल्द ठीक हो जाएगी।

नमक का पानी बनाकर पिएं

जुखाम या एलर्जी के कारण शरीर में नमक की कमी हो सकती है और इससे उभरने के लिए नमक का पानी पीना फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए एक गिलास पानी में थोड़ा–सा नमक मिलाकर इसे पी लें। इससे शरीर में नमक का संतुलन बना रहेगा और जुखाम या एलर्जी की समस्या जल्दी ठीक हो जाएगी। इसके अलावा आप नींबू पानी में भी थोड़ा–सा नमक मिला सकते हैं, जिससे स्वाद भी बढ़ जाएगा।

ताजे फलों का सेवन करें

गर्मियों में तरबूज, खरबूज, लीची, आम और अंगूर जैसे कई ताजे फल बाजारों में आसानी से मिल जाते हैं। ये न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें विटामिन–सी की भरपूर मात्रा होती है। यह पोषक तत्व जुखाम या एलर्जी को ठीक करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा ये फल शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद कर सकते हैं, जिससे ठंड की समस्या का इलाज जल्द होता है। लाभ के लिए इन फलों का सेवन करें।

जुखाम या एलर्जी से बचाव के उपाय

जुखाम या एलर्जी से बचाव के लिए ज्यादा ठंडी चीजों का सेवन करने से बचें। इसके बजाय हल्का ठंडा खाना खाएं और परेशानी महसूस होने पर ठंडी चीजों का सेवन बिलकुल बंद कर दें। इसके साथ ही ठंड या एलर्जी से ग्रस्त व्यक्ति को ठंडे स्थान पर कम रहना चाहिए और ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। इसके अलावा हल्के गर्म पानी या गुनगुने पानी से नहाना चाहिए। एसी वाले कमरे में सोने से भी परहेज करना चाहिए।

आरामदायक कपड़े पहनें

गर्मियों के दौरान जुखाम या एलर्जी होने पर सूती कपड़े पहनने चाहिए, क्योंकि ये आरामदायक होते हैं और पसीने को जल्दी सोख लेते हैं। इसके अलावा हल्के रंग के कपड़े पहनने से भी फायदा हो सकता है, क्योंकि ये सूरज की किरणों को कम अवशोषित करते हैं और इनमें पसीना भी सूख जाता। ढीले–ढाले कपड़े पहनना भी अच्छा है, क्योंकि ये हवा को त्वचा तक पहुंचने देते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं।